राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

26th January Republic Day

UPHIN/2014/67765

वर्ष : 07 अंक 31 पृष्ठ : 8 मूल्य 2 रुपये

लखनऊ, गुरुवार 21 जनवरी, 2021

www.crimereview.co.in

www.facebook.com/hemant4u4life

@hemant4u4life

जल्द मिलेगी हत्यारोपियों को सजा 2
ऑनलाइन लुटेरों से बचें 3
भारतीयों! तुम पर गर्व है 4
जर्जर भवन में पढ़ रहे बच्चे 5

एक नजर

उप्र में सड़क सुरक्षा माह 21 जनवरी से

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क सुरक्षा व सड़क दुर्घटनाओं एवं इनमें होने वाली जनहानि को रोकने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय के साथ एक माह का अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं। यह अभियान पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में एक साथ चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री इस अभियान का शुभारम्भ 21 जनवरी को करेंगे। सड़क सुरक्षा माह 21 जनवरी से प्रारम्भ होकर 20 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। परिवहन विभाग एवं गृह विभाग संयुक्त रूप से इसके नोडल विभाग होंगे।

मुख्यमंत्री मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में सड़क सुरक्षा माह की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में व्यापक जन-जागरूकता के कार्यक्रम संचालित किए जाएं। अभियान के दौरान प्रत्येक दिन व सप्ताह कार्ययोजना बनाकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लखनऊ-आगरा के बीच 28 मार्च से सीधी उड़ान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से आगरा के बीच इंडिगो एयरलाइन 28 मार्च से सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी। इसके लिए इंडिगो एयरलाइन ने शेड्यूल जारी कर दिया है। शेड्यूल के मुताबिक, इंडिगो का 6ई 7928 विमान 28 मार्च से लखनऊ से आगरा के लिए सुबह 09 बजे उड़ान भरेगा। यह विमान 10:45 बजे आगरा में उतरेगा। वापसी में 6ई 7932 विमान आगरा से 14:50 बजे उड़ान भरकर शाम 16:10 बजे लखनऊ पहुंचेगा। यह उड़ान सेवा यात्रियों को सप्ताह में सातों दिन उपलब्ध रहेगी। इस उड़ान से लखनऊ से आगरा कम समय में पहुंचा जा सकेगा।

दरअसल, रीजनल कनेक्टिविटी के तहत छोटी विमानन कंपनियां आगरा और लखनऊ के बीच विमान सेवा शुरू करने के लिए लम्बे समय से तैयारी कर रही हैं। एक विमानन कंपनी का जहाज तो साल भर से लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर खड़ा हुआ है। कंपनी ने जनवरी की शुरुआत में विमान सेवा शुरू करने की घोषणा कर दी थी और फिर तकनीकी कारण बताकर पीछे हट गई। इसके बाद अब इंडिगो एयरलाइन अपनी उड़ान 28 मार्च से शुरू करने जा रही है।

अमौसी एयरपोर्ट को मिली एसीआई हेल्थ एक्रिडिटेशन की मान्यता

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, कोरोना महामारी और इसके संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए किए गए सफल प्रयासों को देखते हुए लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे को एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) हेल्थ एक्रीडिटेशन प्रोग्राम में 12 महीनों के लिए मान्यता दी गई है। यह मान्यता अमौसी एयरपोर्ट को यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए असाधारण उपायों को प्रदर्शित करता है।

योगी सरकार की तांडव की टीम को चेतावनी, कहा- हिंदू धर्म के अपमान की कीमत चुकानी पड़ेगी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। फिल्म और मनोरंजन के नाम पर हिन्दू धर्म और देवी, देवताओं का अपमान करने वालों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद नाराज हैं। वेब सीरीज तांडव में देवी,देवताओं का मजाक बनाने और अपमानजनक टिप्पणी करने वालों को योगी सरकार कड़ा सबक सिखाने जा रही है। मुख्यमंत्री के सख्त रुख को देखते हुए पुलिस ने तांडव वेब सीरीज के निर्माता, निर्देशक और लेखक के साथ अमेजन प्राइम वीडियो के संचालकों पर भी शिकंजा कस दिया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ साथ भाजपा के अहलकारों ने भी वेब सीरीज के कथित आपत्तिजनक सामग्री की कड़ी निंदा की है। वहीं, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश का माहौल खराब ना होने देने के लिए इसकी विवादास्पद सामग्री को हटाने का आग्रह किया है। उधर, शाहजहांपुर जिले के कटरा थाना में भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह ने भी तांडव वेब सीरीज के निर्देशक अली अब्बास जफर तथा कलाकार सैफ अली खान और जीशान अयूब के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बताया कि मामले में आठ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सूचना सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी ने चेतावनी भरे ट्वीट में हिमांशु मेहरा, सैफ अली खान, जीशान अय्यूब अली, अब्बास जफर और गौरव सोलंकी को टैग करते हुए कहा है, ''यूपी पुलिस मुंबई निकल चुकी है, वो भी गाड़ी से, प्राथमिकी में मजबूत धाराएं लगी हैं, तैयार रहना, धार्मिक भावनाओं को आहत करने की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।' उन्होंने इसी ट्वीट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तरफ भी इशारा करते हुए कहा, 'श्री उद्धव ठाकरे जी,उम्मीद है आप इनके बचाव में ना आएंगे।'

इससे पहले किए गए एक अन्य ट्वीट में त्रिपाठी ने कहा, 'जन भावनाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं। घटिया वेब सीरीज की आड़ में नफरत फैलाने वाली वेब सीरीज तांडव की पूरी टीम के खिलाफ योगी जी के उत्तर प्रदेश में गंभीर धाराओं में मामला दर्ज, जल्द गिरफ्तारी की तैयारी!'

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी एक ट्वीट में कहा, 'माता पार्वती से कलियुग के विषय में चर्चा के दौरान भगवान शिव कहते हैं कि मनुष्य को हमेशा अपनी वाणी, मन और कर्मों पर नियंत्रण रखना चाहिए। धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुँचाने वाले तत्वों को इस सन्दर्भ में गंभीरतापूर्वक चिंतन करना चाहिए।'

निर्माता और अभिनेता समेत 3 के खिलाफ केस

तांडव वेब सीरीज पर छिड़ा विवाद अब मुरादाबाद की सीजेएम कोर्ट तक पहुंच गया। मुरादाबाद के अधिवक्ता ने अभिनेता सैफ अली और निर्माता पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और उपहास उड़ाने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता ने दोनों के खिलाफ परिवाद दायर किया है। इस मामले की सुनवाई 2 फरवरी को होगी।

तांडव वेब सीरीज को लेकर अधिवक्ता वैभव अग्रवाल ने कड़ी आपत्ति जताई है। अधिवक्ता ने मंगलवार को मुरादाबाद की सीजेएम कोर्ट में तांडव के सैफ अली, निर्माता अली अब्बास व सह निदेशक जीशान अयूब के खिलाफ परिवाद दाखिल किया है। परिवाद में कहा गया है कि तांडव भगवान शिव की एक कृति है। इन लोगों ने सीरीज में धर्म का उपहास उड़ाने के लिए सीरीज बनाई और सीरीज में देवी देवताओं पर अशोभनीय टिप्पणी की।

हिन्दू धर्म का अनुयायी होने के नाते मैं इन टिप्पणियों से आहत हुआ है। परिवाद में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम करने की मांग की है। अधिवक्ता ने बताया कि परिवाद पर सुनवाई के लिए 2 फरवरी की डेट लगी है।

उत्तर प्रदेश : विधान परिषद की गैलरी में लगा वीर सावरकर का चित्र, कांग्रेस ने जताया ऐतराज

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में चित्र वीथिका में वीर सावरकर का चित्र लगाने को लेकर कांग्रेस ने कड़ा एतराज जताया है। परिषद में पार्टी के नेता दीपक सिंह ने सभापति रमेश यादव को पत्र लिखकर सावरकर के कार्यों को देश विरोधी बताया और वीर सावरकर का चित्र हटाकर उसे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में लगाने की मांग की है। सभापति रमेश यादव ने प्रमुख सचिव को तथ्यों की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में चित्र वीथिका का अनावरण किया था। उत्तर प्रदेश विधान परिषद का सुंदरीकरण कराने के साथ ही वहां चित्र वीथिका (पिक्चर गैलरी) बनाई गई है, जिसमें तमाम स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों के चित्र लगाए गए हैं, इसमें वीर सावरकर का चित्र भी शामिल है। कांग्रेस से विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह ने मंगलवार को सभापति को पत्र लिखकर कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों के बीच सावरकर का चित्र लगाना स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महापुरुषों का अपमान है। सिंह ने पत्र में कहा कि ''वीर सावरकर जी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के विरुद्ध अंग्रेजों से मिलकर युद्ध किया, अपने समर्थकों को अंग्रेजी सेना में भर्ती करा कर नेता जी सुभाष चंद्र बोस के खिलाफ युद्ध में अंग्रेजों की मदद की। अंग्रेजों की बांटो और राज करो नीति में हिंदू मुस्लिम के बीच लड़ाई करवाकर अंग्रेजों की मदद की। मोहम्मद अली जिन्ना ने दो राष्ट्र की बात की तो सावरकर जी ने भी अपने अहमदाबाद के अधिवेशन में दो राष्ट्र की बात की। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति और मुख्यमंत्री ने मंगलवार को विधान परिषद के सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण एवं चित्र वीथिका के उद्घाटन के साथ ही परिषद के वर्तमान सदस्यों की पट्टिका का अनावरण भी किया था। योगी ने मंगलवार को कहा था कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय, पूर्व मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत, पूर्व मुख्यमंत्री डाक्टर सम्पूर्णानन्द, सर तेज बहादुर, प्रख्यात कवयित्री महादेवी वर्मा आदि का इस सदन से जुड़ाव रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा था,'विधान परिषद में लोकार्पित चित्र वीथिका हम सबको प्रेरणा प्रदान करेगी। चित्र वीथिका में सावरकर के चित्र को देखकर उन्होंने कहा कि सावरकर जी का व्यक्तित्व प्रत्येक भारतवासी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मेकर्स धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने के अपराधी, होगी कठोर कार्रवाई : मौर्य

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। वेब सीरीज तांडव के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश पुलिस की एक टीम पूछताछ के लिए बुधवार को मुंबई पहुंच चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले का जायजा लेने के लिए यूपी पुलिस मुंबई के बांद्रा में अमेजन प्राइम के दफ्तर का दौरा करेगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि यूपी पुलिस ने शो के निर्माताओं से पूछताछ करने की योजना बनाई है क्योंकि उनका दावा है कि राजनीतिक थ्रिलर के कुछ दृश्यों ने 'धार्मिक हिंदू भावनाओं को आहत और महिलाओं और दलितों को अपमानित किया है'।

इस बीच, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार सुबह सीरीज की कास्ट और क्रू को यह कहते हुए लताड़ लगाई कि 'वे सामाजिक सद्भाव की एकता को बिगाड़कर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के दोषी हैं।' उन्होंने बुधवार को ट्वीट करते हुए लिखा- ÷तांडव वेब सीरीज के निर्माता निर्देशक और कलाकार समाजिक समरसता एकता को बिगाड़ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने के अपराधी हैं, कठोर क़ानूनी कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि उनसे पहले, सीएम योगी आदित्यनाथ भी 'तांडव' के मेकर्स को फटकार लगा चुके हैं।

विवादित अमेज़न वेब सीरीज़ 'तांडव' के निर्माताओं के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी करते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि 'उनकी सरकार मनोरंजन के नाम पर हिंदू धर्म का अपमान करने वाले और उनकी भावनाओं को आहत करने वाले फ़िल्म निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।' शो में हिंदुओं का अपमान करने के तरीके के बारे में बताते हुए, सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि 'उनकी सरकार उन लोगों पर सख्त है जो मनोरंजन के लिए हिंदुओं का अपमान करते हैं।'

हालांकि, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार पर वेब सीरीज पर नाराजगी जताने के लिए निशाना साधा और कहा कि योगी सरकार एक छोटी सी वेब सीरीज पर एक बड़ा 'उपद्रव' कर रही है।

विवाद पर अखिलेश यादव बोले- बीजेपी सरकार करा रही तांडव

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के वादों और सुशासन के दावों की पोल खुलने लगी है। मुख्यमंत्री के स्टार प्रचारक का तमगा भी फीका पड़ने लगा है। किसानों का भाजपा से मोहभंग हो गया है। उन्हें विश्वास हो गया है कि उनके साथ किए गए वादे कभी पूरे नहीं होंगे। किसान को फसल की लागत का ड्योढ़ा मूल्य नहीं मिला। एमएसपी और आय दोगुनी करने के नारे थोथे सिद्ध हो चुके हैं। भाजपा किसानों के मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए तांडव पर 'तांडव' करा रही है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा, हाल ही में एक सर्वे से साबित हुआ कि मुख्यमंत्रियों के कामकाज की लिस्ट में उत्तर प्रदेश का दसवां नंबर भी नहीं है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा के मुख्यमंत्री अपनी जमीन खोते जा रहे हैं। सीएम अपनी प्रशंसा में जो दावे करते रहे हैं, उनकी कलई भी इस सर्वेक्षण से खुल जाती है। किसानों को न तो धान का समर्थन मूल्य मिला है और न ही समय से भुगतान हुआ है। उसका धान 900 से 1100 रुपये में बिक गया है। गन्ना मूल्य घोषित नहीं हुआ,

बकाया भुगतान भी नहीं मिला है। फसल बीमा में किसान को नहीं, बल्कि बीमा कंपनियों को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वास्तविकता में धान 6 प्रतिशत किसानों से जबकि 94 प्रतिशत बिचौलियों से खरीदा गया है। यानी उत्पादन का कुल 6 प्रतिशत एमएसपी से खरीदा गया है। अखिलेश ने कहा कि किसानों के हित में तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की घोषणा; अब पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जाएगी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

नई दिल्ली। भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को हर साल (23 जनवरी) पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। केंद्र ने राष्ट्र के युवाओं को विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए धैर्य के साथ कार्य करने को प्रेरित करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि देने के अपने कदम की घोषणा की। इस शनिवार को नेताजी की 125वीं जयंती है, जिससे पहले, संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को एक पत्र जारी कर 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। इससे पहले दिसंबर में, केंद्र ने भारत की आजादी की लड़ाई में उनके महान योगदान को देखते हुए उनकी 125वीं जयंती बड़े स्तर पर मनाने के लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल का गठन किया था। इस पैनल के हेड केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। साथ ही इस पैनल में विशेषज्ञ, इतिहासकार, लेखक, बोस के परिवार के सदस्यों के साथ-साथ आजाद हिंद फौज से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्ति भी शामिल हैं।

यह पैनल 23 जनवरी, 2021 से शुरू होने वाले एक साल के स्मरणोत्सव के लिए गतिविधियों पर फैसला करेगा। 2014 में केंद्र में सत्ता संभालने के बाद से, मोदी सरकार ने सुभाष चंद्र बोस की विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कई पहल की हैं, जैसे कि लाल किले में एक संग्रहालय स्थापित करना।

बेटा तुम्हारे दादाजी ट्रेन में सफर करते थे

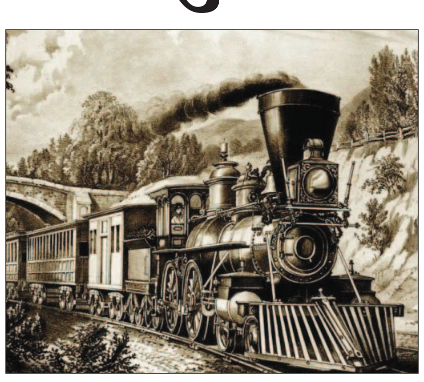

क्राइम रिव्यू

फाल्गुन का महीना था। खेत में फसल लहलहा रही थी और घरों में होली की तैयारी चल रही थी। पड़ोसियों को नए कपड़े लाते देख चार बरस का गुड्डू भी पिता विजय से जिद करने लगाद्य पड़ोस के घर में पकवान की सुगंध सुनीता को उसकी गरीबी और बेबसी के ताने जैसी लग रही थीद्य विजय ने जैसे-तैसे पांच सौ रुपये जुटाए और गुड्डू को साइकिल के डंडे व पत्नी सुनीता को कैरियर पर बैठाया। शहर की साप्ताहिक बाजार में सस्ती खरीदारी करने निकल पड़ा। तीनों बेहद खुश थेद्य साइकिल उनके लिए किसी लग्जरी कार से कम नहीं थीद्य विजय तेजी से पैडल घुमाकर पैदल चल रहे लोगों और रिक्शा-ठेलिया को पछाड़ रहा था।

शहर पहुंचने ही वाले थे कि रेलवे फाटक बंद होने के कारण साइकिल रोकनी पड़ी। तीनों लोग फाटक खुलने का इंतजार करने लगेद्य इस बीच ट्रेन धड़धडाते हुए गुजरी। मासूम गुड्डू हैरत से देख रहा था, विजय और सुनीता अतीत में खो से गए थे। फाटक खुलने के साथ गाड़ियों के हार्न बजने लगेद्य विजय ने भी साइकिल

कटाक्ष

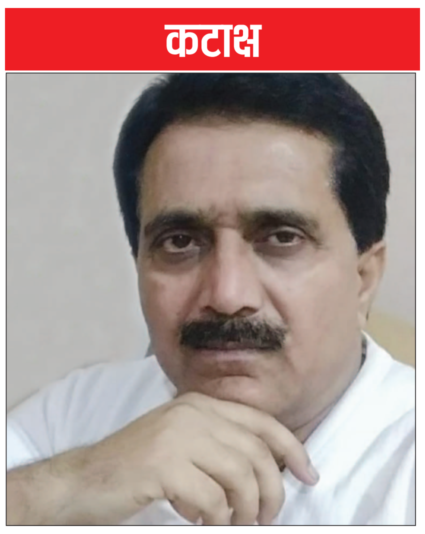

संजय त्रिपाठी

बढ़ाई। बेटे की जिज्ञासा शांत करने के इरादे से आह भरी और अनायास ही मुंह से निकल गया कि तुम्हारे दादाजी भी ट्रेन में सफर किया करते थे। पिता के इस वाक्य पर गुडडू ने सवाल दाग दिया कि क्या दादाजी बहुत अमीर थे। वह जानना चाहता था कि परिवार गरीब कैसे हो गया, जिस घर में दो वक्त का खाना नसीब नहीं है। मां के स्तन के अलावा ग्लास में दूध पीने की उसने कभी कल्पना नहीं की। उसके पुरखे हजारों रुपये का टिकट लेकर ट्रेन में सफर कैसे करते थे, क्या उन्होंने सैरसपाटे में सारी सम्पत्ति लुटाकर परिवार को कंगाल बना दिया। पुरखों के प्रति नफरत उसके चेहरे पर झलकते देख विजय ने सड़क किनारे स्थित मंदिर के बाहर लगे घने वृक्ष के पास साइकिल रोकी। एक पत्थर पर बैठकर सुस्ताने के साथ मासूम बेटे की जिज्ञासा शांत करने लगा। सुनीता ने अतीत से बाहर आकर तथाकथित विकास और अपनी गरीबी को कोसते हुए मंदिर के भीतर कदम बढ़ाए।

इधर, विजय बता रहा था कि दादाजी के जमाने में ट्रेन कोयला और पानी से चलती थी, फिर डीजल के इंजन से चलने वाली और उसके बाद विद्युतचालित ट्रेन आईद्य बेटा हमारे दादाजी कोई राजा-महाराजा या जमींदार नहीं, वो भी हमारी तरह किसान थेद्य फर्क ये है कि उस जमाने में गरीबों के लिए पैसेंजर ट्रेन होती थीद्य एक्सप्रेस ट्रेन में भी अमीरों के लिए तीन-चार एसी डिब्बे होते थेद्य मध्यम वर्ग के लिए स्लीपर और गरीबों के लिए लकड़ी की बेंच वाले सामान्य डिब्बे लगाए जाते थेद्य उनका टिकट इतना होता था कि हमारे जैसे लोग आसानी से टिकट लेकर यात्रा कर सकें।

वक्त बदलने के साथ देश में विकास की ऐसी होड़ लगी कि ट्रेन गरीबों से छिन गई। बेटा अब ट्रेन में एसी डिब्बे ही नजर आते है। किसी किसी ट्रेन में दो-चार स्लीपर लगे होते है। बेटा पहले एक्सप्रेस के साथ कुछ सुपर फास्ट ट्रेन चलीं। उनका किराया कुछ अधिक थाद्य फिर सरकार ने चुपके से अधिकांश ट्रेनों को सुपरफास्ट कह दिया। भले ही सभी स्टेशन पर रुकती हों। बेटा तुम्हें राज की एक और बात बताऊं उस जमाने में पांच बरस के बच्चे का टिकट नहीं पड़ता था। बारह-चौदह साल के बच्चे का आधा टिकट लेकर गरीब परिवार आसानी से सफर कर लेता था लेकिन अब देश विकास की तरफ दौड़ रहा है। ऐसे में हम गरीबों की हमसफर ये साइकिल ही है। होली की खरीदारी की खुशी पर विकास की इस कहानी का खासा असर थाद्य मंदिर से बाजार तक तीनों खामोश थे। सोच रहे थे कि गरीब सिर्फ मतदान और श्रमदान के लिए ही हैं।

सफलता अक्सर उन लोगों के पास आती है जो कार्य करने की हिम्मत करते हैं।
—पं. जवाहर लाल नेहरू

नहीं रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व राजस्व मंत्री माता प्रसाद

अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व राजस्व मंत्री माता प्रसाद का मंगलवार की देर रात पीजीआई लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लगभग 97 वर्ष के थे।

जौनपुर के मछलीशहर तहसील क्षेत्र के कजियाना मोहल्ले में 11 अक्टूबर 1924 को जगरूप राम के पुत्र के रूप में जन्मे माता प्रसाद 1942-43 में मछलीशहर से हिंदी-उर्दू में मिडिल परीक्षा पास की। गोरखपुर के नॉर्मल स्कूल से ट्रेनिंग के बाद जिले के मड़ियाहू क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल बेलवा में सहायक अध्यापक के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने गोविंद, विशारद के अलावा हिंदी साहित्य की परीक्षा पास की। अध्यापन काल में ही लोकगीत लिखना और गाना इनका शौक हो गया था।

राजनीति में उनकी कार्य कुशलता को देखते हुए 1955 में जिला कांग्रेस कमेटी का सचिव बनाया गया। बाबू जगजीवन राम को आदर्श मानने वाले माता प्रसाद जिले के शाहगंज (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर 1957 से 1974 तक लगातार पांच बार विधायक रहे। 1980 से 1992 तक 12 वर्षों तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी ने उन्हें अपने मंत्रिमंडल में 1988-89 तक राजस्व मंत्री बनाया था।

देश की नरसिंह राव सरकार ने 21 अक्टूबर 1993 को उन्हें अरुणाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया और 31 मई 1999 तक वे राज्यपाल रहे। राज्यपाल पद पर रहते उन्हें तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने पद छोड़ने को कहा तो उन्होंने दरकिनार कर दिया था।

पूर्व राज्यपाल माता प्रसाद एक साहित्यकार के रूप में भी जाने जाते रहे। उन्होंने एकलव्य खंडकाव्य, भीम शतक प्रबंध काव्य, राजनीति की अर्थ सतसई, परिचय सतसई, दिग्विजयी रावण जैसी काव्य कृतियों की रचना ही नहीं की वरन अछूत का बेटा, धर्म के नाम पर धोखा, वीरांगना झलकारी बाई,

साहित्य की दुनिया में भी नम्बर 1 थे माता प्रसाद

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष डा. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि पांच बार विधायक, दो बार विधान परिषद सदस्य, उत्तर प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री रहे अरुणाचंल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल माता प्रसाद का निधन साहित्य के एक युग का अंत है।

वह राजनीति में ही सक्रिय नहीं थे, बल्कि किताबों के लेखन और सामाजिक गतिविधियों में भी बराबर समय देते रहें। उन्होंने खंडकाव्य और प्रबंधकाव्य की रचनाएं भी की। अछूत का बेटा समेत वीरांगना झलकारी बाई और अंतहीन बेड़ियां जैसे एकांकी नाटकों का लेखन भी उन्होंने किया। डा. लालजी प्रसाद निर्मल ने लखनऊ के बैकुंठ धाम पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे थे।

वीरांगना उदा देवी पासी, तड़प मुक्ति की, धर्म परिवर्तन प्रतिशोध, जातियों का जंजाल, अंतहीन बेड़ियां, दिल्ली की गद्दी पर खुसरो भंगी जैसे नाटक भी रचे। इसके साथ ही राज्यपाल रहते उन्होंने मनोरम अरुणाचल पूर्वोत्तर भारत के राज्य, झोपड़ी से राजभवन आदि उल्लेखनीय कृतियां लिखी हैं।

सच्ची घटना

पॉक्सो कोर्ट में केस, जल्द मिलेगी छात्रा के हत्यारोपियों को सजा

> जानकीपुरम की रहने वाली व पूर्व राज्य मंत्री की भांजी की 10 फरवरी 2016 को गैंगरेप के बाद हुई थी हत्या

> हत्यारोपियों ने मुख्यमंत्री आवास के पास जंगल मे फेंका था शव

वारदात

1 लोगों की हो चुकी गवाही, कुछ की गवाही होना बाकी

पंकज द्विवेदी

लखनऊ। जानकीपुरम की रहने वाली 12 वीं की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या कर शव को सीएम आवास के पास जंगल मे फेंकने के मामले में पुलिस की सक्रिय पैरवी के चलते जल्द ही पीड़ित परिवारीजनों को न्याय मिलने वाला है। इस मामले की सुनवाई पॉक्सो कोर्ट में चल रही है। पुलिस ने 11 लोगों की गवाही भी करवा चुकी है। हालांकि अभी कुछ अन्य लोगों की गवाही बाकी है। इसके लिए भी पुलिस का प्रयास जारी है। एडीसीपी उत्तरी का कहना है कि आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए भरसक प्रयास किया जा रहा है।

यह थी घटना

जानकीपुरम निवासी 12वीं की छात्रा सेक्टर-14 विकासनगर स्थित एक निजी कॉलेज में पढ़ती थी। 10 फरवरी 2016 को घर से प्रयोगात्मक परीक्षा देने के लिए निकली थी। लेकिन वह घर नहीं पहुंच सकी। घरवालों ने इसकी जानकारी जानकीपुरम पुलिस को दी, लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। 15 फरवरी को छात्रा की हत्याकर फेंकी गई लाश हजरतगंज के पार्क रोड पर सीएम आवास एवं डीजीपी कार्यालय के बीच स्थित जंगल में मिली। हैवानों ने छात्रा के साथ गैंगरेप कर उसे मौत की नींद सुलाया था। जांच पड़ताल में जुटी पुलिस ने बाराबंकी निवासी दो रिक्शा चालकों सतगुरु एवं दीपू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। हत्या की कड़ी जोड़ने के लिए दोनों को 7 दिन की पुलिस पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया था।

file photo

सुरक्षा को लेकर सरकार की भी हुई थी फजीहत

छात्रा पूर्व राज्यमंत्री की भांजी थी। उसके साथ वहशियाना ढंग से गैंगरेप कर उसके शव को सीएम आवास व डीजीपी कार्यालय के पास जंगल मे फेंकने के मामले में महिला सुरक्षा को लेकर लोगों ने आवाजे उठाई थी। विपक्ष को भी अखिलेश सरकार की फजीहत करने का मौका मिला था। घटना से नाराज लोगों ने जगह-जगह कैंडल मार्च निकाल कर अपना आक्रोश जाहिर किया था। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी दुःख जताते हुए पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ा ऐक्शन लेने के निर्देश दिए थे।

नार्को टेस्ट व घटना के री-क्रिएशन से केस मजबूत

इंस्पेक्टर जानकीपुरम ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने केस का री-क्रिएशन करवाया था। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने आरोपियों के विरुद्ध कई साक्ष्य एकत्र किए। इतना ही नहीं पुलिस ने चारों आरोपियों का नार्को टेस्ट भी करवाया था। इसके अलावा भी पुलिस ने कई अन्य पहलुओं पर जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। मजबूत साक्ष्य होने के कारण ही चारों आरोपियों को आज तक जमानत नहीं हो सकी है।

इस केस को गंभीरता से देखा जा रहा हूं। कोर्ट के माध्यम से आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। शेष गवाहियों को भी जल्द करवाया जा रहा है।
– राजेश श्रीवास्तव
एडीसीपी उत्तरी

ऐसे लगा था हत्यारोपियों का सुराग

पुलिस ने छात्रा के मोबाइल की लास्ट लोकेशन खंगाली थी। इस पर उसकी लोकेशन गोल्फ क्लब के पास मिली थी। जिसके बाद उसका मोबाइल स्विचऑफ हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने लास्ट लोकेशन के आसपास तलाश शुरू की थी। लेकिन पता नहीं चला। इसी बीच छात्रा का मोबाइल ऑन हो गया। पता चला कि उसके मोबाइल में दूसरा सिम इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने 13 फरवरी को बाराबंकी के हैदरगढ़ निवासी एक महिला के पास से पुलिस ने छात्रा का मोबाइल व उसका कोट बरामद कर लिया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसके पति सतगुरु ने अपने दोस्त के माध्यम से उसे फोन भिजवाया था। इसके बाद पुलिस ने हजरतगंज से रिक्शा चालक सतगुरु व उसके दोस्त दीपू को दबोच लिया था। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने छात्रा के शव को जंगल से बरामद कर लिया। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने दो अन्य आरोपी गोल्फ क्लब के कैडीज माइकल व नासिर को भी गिरफ्तार कर लिया।

आजम खान को बड़ा झटका! सरकार के नाम दर्ज हुई जौहर विवि की 1400 बीघा जमीन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की सरकार में जौहर ट्रस्ट ने यह जमीन कुछ शर्तों के साथ खरीदी थी, जिस पर आज जौहर यूनिवर्सिटी बनी है. आरोप है कि जमीन खरीदने के बाद शर्तों का पालन नहीं किया गया।

16 जनवरी को एडीएम प्रशासन जेपी गुप्ता की कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी की सरकार में जौहर ट्रस्ट ने यह जमीन कुछ शर्तों के साथ खरीदी थी, जिस पर आज जौहर यूनिवर्सिटी बनी है। आरोप है कि जमीन खरीदने के बाद शर्तों का पालन नहीं किया गया। शर्तों के उल्लंघन की शिकायत बीजेपी नेता आकाश सक्सेना ने की थी।

बीजेपी नेता आकाश सक्सेना की शिकायत पर तत्कालीन एसडीएम सदर ने जांच करवाई तो शिकायत सही पाई गई थी। शिकायत सही पाए जाने के बाद एडीएम प्रशासन की कोर्ट में मुकदमा चला और 16 जनवरी को कोर्ट ने जमीन को सरकार को वापस करने का आदेश दिया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम सदर प्रवीण कुमार ने 1400 बीघा जमीन तहसील के अभिलेखों में जौहर ट्रस्ट से काटकर सरकार के नाम दर्ज करवा दी है।

यूनिवर्सिटी को टेक ओवर करने की मांग

इस मामले में शिकायतकर्ता आकाश सक्सेना ने बताया हमने एक वर्ष पहले इस बात की शिकायत की थी। आजम खान की यूनिवर्सिटी में 170 एकड़ जमीन जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जिन शर्तों पर दी गई थी, उनमें से किसी को भी पूरा नहीं किया गया है। आजम खान द्वारा किसी भी शर्त का पालन नहीं किया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार, जौहर ट्रस्ट की इस जमीन पर जौहर विश्वविद्यालय का काम चल रहा है, लेकिन लेकिन पिछले दस सालों में चैरिटी का कोई कार्य न होने की बात भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि मेरी मांग है, क्योंकि एक बहुत बड़ा हिस्सा यूनिवर्सिटी का सरकार द्वारा निहित किया जा रहा है। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी को टेकओवर कर लेना चाहिए।

अजीत सिंह हत्याकांड के शूटरों की हुई पहचान

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह की हत्या करने वाले दो शूटरों की पहचान हो गई है। यह दोनों ही शूटर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात सुंदर भाटी गैंग के हैं। इस गैंगवार में अजीत सिंह की गोली से कुख्यात राजेश तोमर घायल हुए था। वहीं इस पूरे मामले में केवल एक ही शूटर की पहचान बची है। जबकि हमले में मौजूद तीन शूटरों की पहचान अब तक हो चुकी है जिसमें एक लाख रुपये का इनामी गिरधारी विश्वकर्मा भी शामिल है। जिसे दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों गिरफ्तार किया था।

विभूतिखंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत 6 जनवरी को हुए गैंगवार में पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह की गोली से जो शूटर घायल हुआ था उसकी पहचान राजेश तोमर के रूप में हो गई है वह अलीगढ़ का रहने वाला है और सुंदर भाटी गिरोह का है। सुंदर भाटी पश्चिम उत्तर प्रदेश का कुख्यात अपराधी है। वहीं इस गैंग के शूटरों का इस्तेमाल अजीत सिंह की हत्या में हुआ। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस मामले के तार काफी दूर तक फैले हैं।

हत्याकांड में शामिल संदीप बाबा भी गिरफ्तार लखनऊ की पुलिस ने अंबेडकर नगर से संदीप सिंह बाबा को गिरफ्तार किया है। वह चंदौली का रहने वाला है और इस वारदात में शामिल था। वहीं संदीप भी सुंदर भाटी गिरोह का बताया जा रहा है। वहीं पुलिस अब संदीप से पूछताछ कर उनके इस हत्याकांड में शामिल कुछ और लोगों के नाम का भी खुलासा कर सकती है।

नामजद कुट्टू सिंह और अखंड की हुई पेशी

मऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड में तीन नामजद अभियुक्तों में आजमगढ़ जेल में बंद कुख्यात अपराधी कुट्टू सिंह और अखंड दोनों अपराधी आज कोर्ट में पेशी के लिए लाए गए कोर्ट में पेश होने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में दोनों को आजमगढ़ जेल भेज दिया गया है।

पूर्व बसपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राम अचल राजभर गिरफ्तार कर जेल भेजे गए

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रदेश सरकार में मंत्री स्वाति सिंह और उनके परिवार की महिलाओं पर अभद्र और अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल में कोर्ट से भगोड़ा घोषित बसपा के तत्कालीन राष्ट्रीय महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी और प्रदेश अध्यक्ष रामअचल राजभर को कोर्ट ने जेल भेज दिया। एमपीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार राय ने मंगलवार को दोनों आरोपियों की अंतरिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। नसीमुद्दीन वर्तमान में कांग्रेस के नेता है।

नसीमुद्दीन व राजभर ने आत्मसमर्पण के साथ संपत्ति कुर्की के आदेश को वापस लेने की अर्जी दी थी। इस पर कोर्ट ने दोनों को न्यायिक हिरासत में लेने केबाद कुर्की आदेश वापस ले लिया। तब आरोपियों ने नियमित के साथ अंतरिम जमानत की अर्जी दी। कोर्ट ने अंतरिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा कि कोर्ट में लगातार हाजिर न होने के कारण दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के साथ फरार घोषित कर कुर्की का आदेश जारी किया गया है।

आरोपियों ने कोर्ट को गुमराह करने की नीयत से बिना जमानत कराए हाजिरी माफी की अर्जी दी है। उनकी अग्रिम जमानत अर्जी भी पहले खारिज की जा चुकी है। ऐसे में अंतरिम जमानत नहीं दी जा सकती। तब सरकारी वकील मुनेश बाबू यादव की अर्जी पर नियमित जमानत पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 20 जनवरी की तारीख तय की। पत्रावली के अनुसार मंत्री स्वाति सिंह की सास तेतरा देवी ने 21 जुलाई, 2016 को हजरतगंज में केस दर्ज कराया था।

मुख्तार अंसारी के करीबी बाबू सिंह का गुर्गा गिरफ्तार

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी का करीबी बाबू सिंह के गुर्गा को मड़ियांव मड़ियांव पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी एक साल से फरार चल रहा था। उस पर बम मार कर हत्या करने की कोशिश और गैंगेस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज है।

एडीसीपी उत्तरी रईस अख्तर ने बताया कि सेक्टर क्यू अलीगंज निवासी अभिषेक सिंह उर्फ बाबू माफिया मुख्तार अंसारी का करीबी है। इन दिनों बाबू जेल में है। बीकेटी के अस्ती रोड निवासी सूरज सिंह बाबू सिंहके लिए काम करता है। 14 जनवरी 2019 को आरोपी सूरज सिंह ने अपने साथी अभिषेक सिंह उर्फ बाबू सिंह, अनमोल रावत, पवन सिंह, शोएब, रोहित सिंह के साथ मिलकर समीर वर्मा उर्फ शशि पर पुरानी रंजिश को लेकर बम व गोली चला कर

जानलेवा हमला किया था। आरोपितों के खिलाफ अमरकांत ने मुकदमा दर्ज कराया था। बुधवार को सूरज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आरोपित के साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

अखिलेश का भाजपा पर आरोप, कृषि कानूनों को स्थगित करने का प्रस्ताव तर्कहीन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जो कानून आज सही नहीं वो वर्ष 2023 में कैसे सही हो जाएगा, यह तर्कहीन है। उन्होंने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा सरकार ने डेढ़-दो साल के लिए कृषि कानूनों को स्थगित करने का प्रस्ताव दिया है, जो तर्कहीन है क्योंकि जो कानून आज सही नहीं है वो 2023 में कैसे सही हो जाएगा। भाजपा सरकार जनविरोध से डरकर इन्हें टाल रही है पर 2024 में चुनाव के आखिरी साल में पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाकर जाएगी।

वहीं दूसरी ओर प्रकाश पर्व पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि गुरु गोविंद सिंह किसी संप्रदाय विशेष के नहीं, पूरे राष्ट्र के नेता थे। नफरत से समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। सभी जाति-धर्म के प्रति सद्भाव रखना चाहिए। हमें भी उनकी शिक्षाओं का अनुपालन करते हुए नफरत के अंधकार से दूर रहकर सद्भावना के प्रकाश पथ पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

अखिलेश बुधवार को पार्टी कार्यालय में गुरु गोविंद सिंह के 354वें प्रकाश पर्व पर यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह असत्य और अन्याय के विरुद्ध ल?ने वाले महापुरुष थे। वे देश की गंगा-जमुनी तहजीब के प्रवर्तक थे। इस अवसर पर सिख समाज के प्रमुख लोगों ने अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के लिए अरदास की। सिख प्रतिनिधियों ने अखिलेश को सरोपा, कृपाण और लोई भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संचालन पवन मनोचा ने किया। कार्यक्रम में राजेंद्र चौधरी, विधायक संजय गर्ग व एमएलसी आशुतोष सिन्हा आदि उपस्थित थे।

तांडव के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी यूपी पुलिस

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मुंबई, नोएडा, लखनऊ, रांची में हुई एफआईआर और चौतरफा विरोध के बाद अमेजन ने वेबसीरीज से विवादित सीन हटा लिया है। वहीं बॉम्बे हाई कोर्ट ने वेबसीरीज के डायरेक्टर अली अब्बास जफर, प्रोड्यूसर हिमांशु मेहरा, राइटर गौरव सोलंकी और अमेजन की कंटेंट हेड अपर्णा पुरोहित को अग्रिम जमानत दे दी है।

कोर्ट के इस फैसले के बाद तांडव विवाद में आरोपी बनाए गए सभी लोगों को अगले तीन हफ्तों तक का समय मिल गया है। इसके बाद यूपी पुलिस उन्हें तुरंत गिरफ्तार नहीं कर सकेगी।

लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज हुई शिकायत के मुताबिक सभी आरोपियों को तीन हफ्तों की अग्रिम जमानत मिली है। जो जस्टिस पीडी नायक ने यह फैसला एफआईआर रजिस्टर होने के एक दिन बाद दिया। इसके पहले बुधवार को यूपी पुलिस, मुंबई पहुंची जो सभी से तांडव के विवादित सीन को लेकर पूछताछ कर रही है।

राम कदम के विरोध के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन : इससे पहले भाजपा विधायक राम कदम की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने वेब सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने वाले एक्टर सैफ अली खान, निर्देशक अली अब्बास, प्रोड्यूसर हिमांशु कृष्ण मेहरा, लेखक गौरव सोलंकी और अमेजन इंडिया की कंटेंट हेड अपर्णा पुरोहित के खिलाफ केस दर्ज किया है। अमेजन ने 19 जनवरी को ही यह सीन हटा दिया था।

436 नवचयनित प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों को दिए नियुक्ति पत्र

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों में चयन के लिए अब न सिफारिश चलती है न ही लेन-देन से नौकरी पाना संभव है। प्रदेश में नौकरी पाने का एक ही पैमाना है सिर्फ वरियता। तीन साल दस महीने में पारदर्शिता से पौने चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 मार्च 2021 को जब राज्य सरकार का चार वर्ष कार्यकाल पूरा होगा तब चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का सपना भी पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों के लिए चयनित 436 सहायक अध्यापकों और प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। पांच जिलों के चयनित अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र एवं पदस्थापन पत्र प्रदान किया, जबकि शेष चयनित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन नियुक्ति पत्र जारी किया गया। उन्होंने कहा कि बीते पौने चार साल में करीब 15 लाख युवाओं को सीधे तौर पर नौकरियां दी गई है। वहीं डेढ़ करोड़ युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के दौरान हुई सरकारी भर्तियों में शुचिता, पारदर्शिता और गोपनीयता के प्रमाण हैं। एक भी चयन पर सवाल या संदेह नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कार के बाद जो युवा अपनी प्रतिभा, क्षमता और मेहनत के बल पर सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक की सेवा महज 6 से 8 घंटे की नहीं होती, बल्कि शिक्षक जीवनपर्यंत शिक्षक ही होता है। उन्होंने कहा कि भविष्य के भारत की नींव यही शिक्षक अपनी कक्षाओं में रखेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभाग की राज्यमंत्री गुलाबदेवी, अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला, नवनीत सहगल, निदेशक विनय कुमार पांडेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रवक्ता पद के चयनित अभ्यर्थियों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने एक महिला अभ्यर्थी से संस्कृत में संवाद करते हुए पूछा कि संस्कृत विषय की प्रवक्ता पद पर चयनित वाराणसी की अपर्णा पांडेय ने भी संस्कृत में जवाब देते हुए कहा मम् नाम अपर्णा। मुख्यमंत्री ने अपर्णा से कालिदास रचित कुमारसम्भवम पर उनके द्वारा लिखित टीका के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट और महाराजगंज के चयनित शिक्षकों से संवाद किया। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि भर्ती परीक्षा में इतनी पारदर्शिता की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब अभ्यर्थियों को उनकी पसंद से स्कूलों में नियुक्ति मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीखने की कोई सीमा नहीं होती। शिक्षक होने के बाद भी हमें हमेशा कुछ नया अभिनव सीखते-पढ़ते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि शिक्षा व्यवस्था महज किताबी न रहे, बल्कि व्यवहारिक बने।

प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री यहियागंज गुरुद्वारा पहुंचे

लखनऊ। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी यहियागंज में बुधवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुद्वार साहब आकर माथा टेका एवं दो शबद भी श्रवण किए।

ज्ञानी परमजीत सिंह डॉ गुरमीत सिंह मनमोहन सिंह हैप्पी एवं डॉक्टर अमरजोत सिंह ने मुख्यमंत्री जी को गुरु घर का सत्कार शॉल एवं सिरोपा कृपाण एवं गुरु गोविंद सिंह जी चित्र एवं पटना साहब की किताब भेंट की बाबा दीप सिंह जी सोसाइटी की तरफ से सिमर जोत सिंह ने एवं मनमोहन सिंह ने बाबा दीप सिंह जी अवॉर्ड भेंट किया। मुख्यमंत्री जी ने सभी संगतो को श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व पर बधाई दी इस अवसर पर विशेष रूप से उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन, बृजेश पाठक, संयुक्त भाटिया मौजूद थे। सभी को गुरु घर का सत्कार शॉल सिरोपा भेंट किया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से भाई दविंदर सिंह जी श्री दरबार साहिब अमृतसर ने संगतों को शबद कीर्तन द्वारा निहाल किया एवं ज्ञानी अंग्रेज सिंह जी श्री गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डाला। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी अपनी माता माता गुजरी जी एवं मामा कृपाल चंद जी के साथ 6 वर्ष की अवस्था में सन 1672 में आए थे एवं इस स्थान पर 2 माह 13 दिन रुके थे आज भी उनके हस्तलिखित पवित्र हुकुम नामा एवं उनके हस्ताक्षर किए हुए हस्तलिखित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी गुरुद्वारा साहब में शोभायमान है।

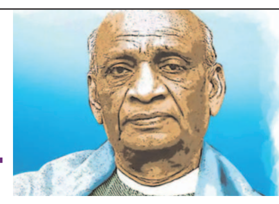

卐जीवन की डोर तो ईश्वर के हाथ में है, इसलिए चिंता की कोई बात हो ही नहीं सकती।
–सरदार पटेल

कलश यात्रा के साथ हुई मां दुर्गा व हनुमान जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

खरगापुर, गोमतीनगर में भव्य मंदिर का निर्माण, भंडारे में सैकड़ों ने चखा प्रसाद

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। महाराणा प्रताप वॉलीवाल एकेडमी की ओर से खरगापुर, गोमतीनगर में नवनिर्मित मंदिर में मां दुर्गा व हनुमान जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

मंदिर पर सुबह कलश पूजन के बाद गाजेबाजे के साथ कलश यात्रा रवाना हुई, जिसमें 151 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से होते हुए मंदिर पर पहुंची। इस बीच जगह जगह लोगों ने कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इससे पूर्व सैकड़ो श्रद्धालुओ ने मंदिर प्रांगण में बैठकर सामूहिक रूप से झंडा पुजन किया। पंडितो ने वैद्विक मंत्रोचार के साथ पूजन कराकर माता के जयकारो के साथ रवाना हुई कलश यात्रा में श्रद्वालु बैंड बाजे की धुन पर नाचते गाते माता के जयकारे लगाते हुऐ रवाना हुए। मंदिर में पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमाओं का पूजन कराया। प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा 16 जनवरी को सम्पन्न हुआ। इस मौके पर आयोजित भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

एकेडमी की अध्यक्ष रितु शाही ने कहा कि धर्म की जड़ सदा हरी रहती है। धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनो से लोगों के बीच सामाजिक समरसता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि धर्म के कार्यो में धन खर्च करने से धन घटता नहीं है बल्कि बढ़ता है। मनुष्य को अपनी कमाई में से कुछ हिस्सा धार्मिक कार्यक्रमो में खर्च करना चाहिए।

इस मौके पर गीता सिंह, हेमा बिष्ट, आशुतोष अवस्थी, नवीन, जगदीश बिष्ट, बच्चे बिष्ट, दीपा सिंह, एकता सिंह, पूजा सिंह, गौरी सिंह, संध्या सिंह, नयनशी सिंह, प्रभा बिष्ट, भगवती बिष्ट, पार्वती बिष्ट, माया बिष्ट, मीन बिष्ट, विमला बिष्ट, हेमा बेलवाल, कमला नायल, जया नॉयल, दीपेश श्रीवास्तव, बीआर पाल, ललिता पवार, बबीता नेगी, काला नेगी, हेमा बर्ग, पुष्पा नेगी, गंगा नेगी, कोमल वर्मा, गीता नॉयल, तारा सनवाल, कीमड रंग, भारती नेगी, सरस्वती नेगी, कमला नेगी, किरण श्रीवास्तव, बीना सिंह नायल, पुष्पा नेगी समेत सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पुलिस चौकी के पास ज्वैलरी शॉप का टीन शेड तोड़कर चोरी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मड़ियांव के छठामील पुलिस चौकी के पास बेखौफ चोरों ने मंगलवार रात एक ज्वैलरी शॉप की टीन शेड तोड़कर जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया।

पुलिस के मुताबिक भरत नगर निवासी विकास सोनी की पूजा ज्वेलर्स के नाम से छठामील पुलिस चौकी के पास सोने-चांदी की दुकान है। विकास सोनी के अनुसार मंगलवार रात्रि बेखौफ चोरों ने उनकी दुकान की छत पर पड़ी टीन शेड को उठाकर अंदर दाखिल हुए और अंदर रखे करीब दो लाख रुपये कीमत के जेवर पर हाथ साफ कर दिया है। मड़ियांव इंस्पेक्टर मनोज सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

दस हजार रुपये के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। इन्दिरानगर थाना पुलिस ने सोमवार को दस हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। वह कई प्रदेशों में लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की जालसाजी की है। पुलिस उपायुक्त उत्तरी रईस अख्तर ने बताया कि इन्दिरानगर थाना प्रभारी अजय प्रकाश त्रिपाठी ने शातिर अपराधी आजमगढ़ निवासी नटवर लाल एजाज अहमद उर्फ कमर एजाज अहमद को धर दबोचा है। उसके पास से फर्जी पासपोर्ट, फर्जी मुत्यु प्रमाण पत्र, फर्जी डॉक्टर बनने के लेटर पैड, लैपटॉप समेत अन्य प्रपत्र बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त उत्तरी ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश के खिलाफ मध्य प्रदेश के जनपद जबलपुर गोरखपुर थाने से दस हजार का इनाम घोषित है। वह प्रदेशों में विभिन्न लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगारों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुका है।

गैर इरादतन हत्या के आरोपित गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जानकीपुरम पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के आरोपित को मंगलवार गिरफ्तार करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम ब्रजेश सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक उत्कर्ष त्रिपाठी, सुधांशु रंजन ने टीम के साथ गैर इरादतन हत्या करने के आरोप में केशवापुर, बहराइच निवासी संजय सिंह (45) व औसा, मंझनपुर, कौशाम्बी निवासी शिव भजन उर्फ छोटू उर्फ छोटेलाल (35) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि उंचगांव अदवारी, सकरन सीतापुर निवासी सुधीर सिंह उर्फ छोटू (20) जानकीपुरम के सेक्टर तीन के पास झोपड़ी में रहकर साइकिल बनाने का काम करता था। 25 दिसम्बर को संजय सिंह, शिव भजन ने सुधीर के साथ शराब पीने के बाद मारपीट की थी। मारपीट में सुधीर की मौत हो गई जिसे आरोपितों ने ठेलिया में लाद कर सुबह झोपड़ी में छोड़ गए थे।

बीकेटी में ईंट से कूचकर पुजारी की हत्या, लूटपाट

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बीकेटी के शिवपुरी गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर रण बाबा के स्थान पर रहने वाले पुजारी बाबा फकीरे दास (85) की ईट से कूच कर मंगलवार की रात में हत्या कर दी गई। घटना के बाद पहुंची पुलिस को मंदिर से घंटे, दानपात्र, बाबा कि गृहस्ती व रासन का सामान भी गायब मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बाबा की हत्या से आसपास के लोगों में काफी रोष है।

सुल्तानपुर गांव निवासी बाबा फकीरे दास कठवारा शिवपुरी मार्ग पर स्थित रण बाबा के स्थान पर करीब आठ वर्षों से रहकर मंदिर की सेवा व देखरेख करते थे। मंगलवार की रात में बदमाशों ने लूटपाट के साथ उनकी हत्या करदी। बुधवार सुबह मंदिर पहुंचे ग्रामीणों ने खून से लतपथ शव देखकर पुलिस को सूचना की। ग्राम प्रधान शिवपुरी संतोष कुमार ने बताया बदमाशों ने हत्या के बाद दान पात्र के पैसे, मंदिर में बंधे करीब तीन कुंटल वजन के घंटे, रासन सहित सारा सामान लूट लिया। घटना स्थल पर खून से सना एक ईंटा पड़ा मिला। बाबा की हत्या की खबर फैलते ही मंदिर में हजारों ग्रामीणों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी के बाद सीओ बीकेटी, एसपी ग्रामीण हृदयेश कुमार व आईजी रेंज लक्ष्मी सिंह भी पहुंची। पुलिस शव को ऐसे ही पोस्टमॉर्टम के लिए भेजना चाहती थी लेकिन ग्रामीणों के विरोध पर डॉग स्कवायर बुलाकर जांच कराई। एक डॉग पिछली दीवाल तक करीब तीन बार गया। इससे यही अंदाजा पुलिस लगा रही है कि बदमाशों ने लूट का सामान पिछली दीवाल की तरफ से निकाला होगा क्योंकि सामने सड़क पर लाइट जल रही थी। इंस्पेक्टर योगेंद सिंह ने बताया शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ऑनलाइन लुटेरों से बचने के लिए हों जागरूक, इन बातों का रखें ख्याल

पंकज द्विवेदी

लखनऊ। आए दिन साइबर ठग किसी न किसी को अपना शिकार बनाते ही हैं। किसी को सस्ता लोन दिलाने के नाम पर फांसते हैं तो बैंक अधिकारी बन किसी से उसके एटीएम का पिन हासिल कर उसे चपत लगा दे रहे हैं। इसके अलावा लोगों को नौकरी समेत कई अन्य तरह के लालच देकर यह जालसाज ठगी कर रहे हैं। ऐसे में इस तरह की ठगी के चंगुल से बचने के लिए जरूरी है आप सावधानी बरते।

झांसा नंबर-1
एटीएम ब्लॉक करने की बात कहकर

जालसाज बैंक का अधिकारी बनकर एटीएम कार्ड का पिन या क्रेडिट कार्ड का ओटीपी हासिल कर लेते हैं। जबकि कोई भी बैंक आपको इस तरह से कभी कॉल नहीं करेगा। यह सब फर्जीवाड़ा है।

झांसा नंबर-2
लॉटरी के नाम पर

इसमें ठग ईमेल व मोबाइल पर मेसेज के जरिए आपको लाखों या करोड़ रुपये की लॉटरी निकलने का दावा करते हैं। अमूमन हर किसी के पास इस संबंध में मेल आते रहते हैं। रातों-रात करोड़ों की लॉटरी लगने के लालच में लोग फंस जाते हैं। यह आप यह जान लीजिए कि कोई भी अनजान आदमी आपको ऐसे ही करोड़ों रुपये नहीं दे देगा। ऐसे किसी भी ईमेल व मोबाइल मेसेज के झांसे में कभी भी ना आएं।

झांसा नंबर-3
सरकारी योजना के नाम पर

जालसाजों ने सरकार की योजनाओं के नाम पर कई तरह की फर्जी वेबसाइड बना रखी है। बेरोजगारों को नौकरी व अन्य

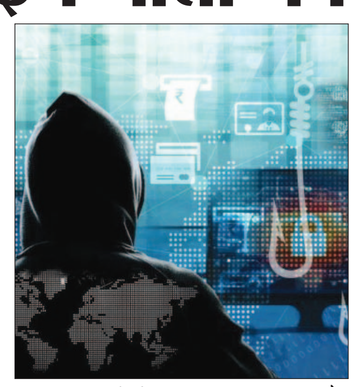

लाभांश दिलाने के नाम ठगी की जा रही है। याद रखे कि जब इस तरह की कोई बेवसाइट दिखे या ईमेल आए तो संबंधित विभाग से इस संबंध में क्रास चेक अवश्य कर लें।

झांसा नंबर-4
ऑनलाइन सामान बेचने-खरीदने के नाम पर

ऐसी साइटों से आपका नंबर लेकर ठग सामान खरीदने के लिए फोन करते हैं। फिर एक लिंक भेजकर कहते हैं कि इससे हम आपको ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं। जैसे ही आप लिंक पर क्लिक करते हैं, आपके पैसे निकाल लिए जाते हैं।

झांसा नंबर-5
विदेशों में नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगी

आप नौकरी के लिए जिन बेवसाइट के पास अपना बायोडाटा देते हैं उनसे आपका डाटा ले लिया जाता है। फिर फोन या ईमेल से आपसे संपर्क किया जाता है। जो विदेशों में नौकरी के लालच में फंस जाता है, उससे लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं।इससे बचने के लिए संबंधित देश के दूतावास से संपर्क कर नौकरी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। इसी तरह के यदि कंपनी अपने देश की हैं या किसी सरकारी विभाग से जुड़ा मामला है तो पहले क्रास चेक अवश्य कर लेना चाहिए।

कोई भी बैंक आपके खाते व एटीएम आदि से सम्बंधित डिटेल नहीं मांगता है। लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। यदि किसी के साथ ठगी होती है तो तत्काल साइबर सेल और स्थानीय थाने के साथ ही बैंक को भी जानकारी दें।
– विवेक रंजन राय,
एसीपी साइबर क्राइम

झांसा नंबर-6
एफबी पर प्रॉब्लम होने का हवाला देकर

फेसबुक मेसेंजर पर आपके दोस्त की फर्जी फेसबुक बनाकर आपसे प्रॉब्लम में होने का हवाला देकर रुपये मांगे जाते हैं। रुपये देने से पहले आप अपने दोस्त से संपर्क करने की कोशिश जरूर करें। यदि दोस्त से संपर्क न हो पा रहा हो तो उसके किसी अन्य दोस्त से जानकारी ले।

झांसा नंबर-7
विदेशी युवक व युवती बन कर फांसना

इस तरह के मामले में जालसाज आपको अपनी आइडी पर किसी विदेशी लड़की की फर्जी फोटो लगाकर फांसते हैं। आपको फोन करके या संदेश भेजकर कहते हैं कि आपके लिए एक महंगा उपहार ला रही थी, हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने पकड़ लिया है। तुरंत पैसा भेजें। लोग उपहार के लालच में पैसा गंवा देते हैं। लिहाजा आपको इस तरह के किसी प्रलोभन के झांसे में नहीं आना है। ये लोग देश-विदेश में बैठकर पहले आपकी भावना से खेलते हैं और फिर कस्टम ड्यूटी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बना लेते हैं।

युवती समेत चार लोगों को हजारों की चपत

साइबर जालसाजों ने युवती समेत चार लोगों को हजारों रुपये की चपत लगा दी। पीड़ितों ने महानगर, गाजीपुर,आशियाना और कैसरबाग थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस के मुताबिक महानगर निवासी महानगर निवासी गरिमा सिंह का यूको बैंक की विश्वविद्यालय शाखा में खाता है। पिछले हफ्ते उनके खाते से अचानक चार हजार रुपये निकल गए। बैंक से संपर्क करने पर पता चला की रुपये कुर्सी रोड स्थित एटीएम बूथ से निकाले गए हैं। वहीं गाजीपुर निवासी महेंद्र कुमार जैसवाल का एसबीआई की महानगर शाखा में खाता है। नवंबर माह में उनके खाते से 99 हजार रुपये निकल गए। पिछले दिनों बैंक पहुंचे महेंद्र को पासबुक अपडेट करवाने पर ठगी का पता चला। दोनों ही मामलो में पुलिस को शक है कि कार्ड का क्लोन बनाकर ठगी की गई है। वहीं पीजीआई निवासी मोहित श्रीवास्तव का आशियाना की पावन हाउस चौराहे पर स्थित महेंद्रा बैंक में खाता है। साइबर जालसाज ने कॉल कर केवाईसी अपडेट करने का झांसा दिया। झांसे में फंसे मोहित ने खाते से जुडी गोपनीय जानकारी साझा कर ली। तीन बार में उनके खाते से 23250 रुपये निकल गए। इसके अलावा कैसरबाग निवासी रौनक सरकार ने कुछ दिन पहले बेचने के मकशद से अपनी पल्सर बाइक का फोटो ऑनलाइन साइट ओएलएक्स पर अपलोड किया था। रविवार को जालसाज ने उन्हें कॉल कर बाइक खरीदने की इच्छा जाहिर की। जालसाज ने एडवांस रुपये भेजने के नाम पर एक लिंक भेजा।लिंक पर क्लिक करते ही रौनक के खाते से कई बार में 49998 रुपये निकल गए। सभी मामलों में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रज़ा मुराद को भेंट की गई चांदी की रेल

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जाने-माने फिल्म अभिनेता रज़ा मुराद को समाज सेवी अभिदीप जैन ने शनिवार को चांदी की ट्रेन का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सोनागिरि ज्वैलर्स की स्थापना की चौदहवीं सालगिरह के अवसर पर सरस जैन और हर्षित जैन की उपस्थिति में केक भी इंदिरा नगर के भूतनाथ स्थित हरिओम कॉम्पलेक्स परिसर में काटा गया।

रज़ा मुराद ने कहा कि लखनऊ की गंगा-जमुनी संस्कृति आज भी विश्व में मशहूर है। इस नगरी का सम्बंध कई मशहूर फिल्मी हस्तियों से है। आज भी सोने-चांदी से लेकर हर क्षेत्र में कलाकारों को यहां पहचान मिल रही है। उन्हें गर्व है कि उनकी जन्मस्थली रामपुर का सम्बंध भी उत्तर प्रदेश है।

सोनागिरि ज्वैलर्स के प्रोपराइटर अभिदीप जैन ने बताया कि उनकी ओर से कंबल वितरण, प्याऊ आदि की सेवाएं दी जा रही हैं दूसरी ओर सोने चांदी, हीरे और कुंदन के आभूषण सहित स्वंय के सजावटी समान भी वृहद स्तर पर तैयार कर रहे हैं। चांदी की रेल उनके ही द्वारा तैयार करवायी गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा भारतीय रेल वर्तमान में वैश्विक मापदंडो पर आधुनिक हो रही है। डबल डेकर मालगाड़ी से लेकर बुलेट-ट्रेन तक का सफर रफ्तार के साथ तय किया जा रहा है।

टप्पेबाजी की शिकार महिला की सदमे से हुई मौत

लखनऊ। विकासनगर में टप्पेबाजों का शिकार हुई महिला को जूलरी गवाने का सदमा ऐसा लगा की घटना के 16 दिन बाद उसकी जान चली गई। लगातार थाने के चक्कर काटने के बाद भी विकासनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। घटना के दिन महिला अपने पोते के साथ नाश्ता लेने निकली थी। जहां दो टप्पेबाजों ने पता पूछने के बहाने उन्हें रोका और पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर जूलरी उतरवा ली। ठगी का शिकार हुई महिला घटना वाले दिन से सदमे में थी। बिमार महिला ने 7 दिसंबर की रात अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। उनकी मौत से घर में मातम छा गया। नजीर का आरोप है कि घटना के बाद से उनकी पत्नी विकासनगर थाने के चक्कर काट रही थी लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

अलीगंज के कुर्सी रोड चौधरी टोला निवासी नजीर अहमद घर के सामने ही पान मसाले की दुकान लगाते हैं। उन्होंने बताया कि बीती 21 नवंबर को घर में कुछ मेहमान आने थे लिहाजा उनकी मरहूम पत्नी शबनम निशा 10 वर्षीय पोते सब्बीर अहमद के साथ नाश्ता लेने निकली थी। विकासनगर की विष्णूपुरी कॉलोनी के सामने पहुंचते ही दो टप्पेबाजों ने उन्हे आवाज देकर रोका और बैंक का पता पूछा। इस दौरान बातों-बातों में टप्पेबाजों ने उनके हाथ में एक लिफाफा ये कहते हुए पकड़ा दिया की इसमें रुपये हैं। उसी लिफाफ से टप्पेबाजों ने 500 रुपये का नोट निकाला और ई-रिक्शे वाले को रोककर टढ़ी पुलिया की ओर चल पड़ा। ईमानदारी दिखाते हुए शबनम लिफाफा देने उनके पीछे गई तो टप्पेबाजों ने बैंक तक पहुंचाने की विनती की और ई-रिक्शे में बैठा लिया। टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी के पास टप्पेबाज एक रेस्टोरेंट के सामने उतर गए। टप्पेबाजों ने रेस्टोरेंट से समोसा और पानी की बोतल ली और शबनम के आगे कर दिया। शबनम ने समोसा खाने से इंकार किया और पानी की बोतल मांगी,एक दौरान एक टप्पेबाज ने पानी में नसीला पदार्थ मिला दिया। पानी पीते ही शबनम का सिर चकरा गया। इस दौरान टप्पेबाजों ने उन्हें बातों में फसाकर गले में पड़ी चेन,मंगलसूत्र,कान के झुमके,अंगूठी ले ली और मौके से भाग निकले। नजीर ने बताया कि टप्पेबाज जो जूलरी ले गए हैं उसकी कीमत करीब दो लाख रुपये है।

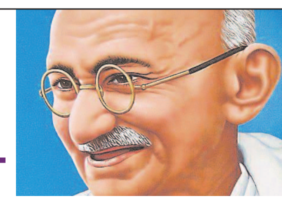

किसी देश का विकास और महानता का अनुमान वहां के पशुओं के साथ होने वाले व्यवहार से लगा सकते हैं।
- गांधी जी

महामारी के अंत का टीका

कोरोना महामारी का टीका लगाने की शुरुआत के साथ मानवता को निरोगी बनाए रखने के संकल्प ने गति पकड़ ली है। यह टीकाकरण एक बड़ी चुनौती इसलिए है क्योंकि यह दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है। भारत में सबसे ज्यादा लोगों को टीका लगाया जाना है। कोविड-19 विषाणु ने व्यापक क्षेत्र में फैलकर डर का जो वातावरण देश व दुनिया में बना दिया था, उससे स्थायी बचाव का उपाय टीका ही है। इसलिए महामारी के फैलने के साथ ही यह उम्मीद की जा रही थी कि इसके संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण टीकाकरण से ही होगा। इस वायरस के प्रभाव से लोगों में उत्पन्न हुए मनोविकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर बार-बार आकर अपने सार्थक व प्रेरक उद्बोधनों से दूर करते रहे हैं। नतीजतन लोग इस उम्मीद के साथ भयमुक्त बने रहे कि भारत में जल्द टीके का निर्माण हो जाएगा और 10 माह के भीतर हो भी गया। भारत में ही बने टीके कोविशील्ड को लगाने की जो शुरुआत हुई है, उसे भी मोदी ने देशव्यापी उत्सव में बदल दिया, जिससे किसी भी प्रकार के मानसिक संशय और शंका रहे ही नहीं। गोया, स्वदेशी टीकों का निर्माण ऐसी उपलब्धि है, जिसपर पूरे देश को गर्व करने की जरूरत है।

कोरोना-काल संकट का समय जरूर है लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से इससे सामना किया, उससे यह चिकित्सा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सफल एवं निर्णायक अभियान भी बन गया। इसीलिए प्रधामंत्री ने चिकित्सकों व चिकित्सा विज्ञानियों के परिश्रम के प्रति पूरा सम्मान जताकर कृतज्ञता प्रकट की। खासतौर से स्वदेशी टीकों कोविशील्ड और कोवैक्सीन के निर्माण में वैज्ञानिकों ने जो प्रतिबद्धता व दक्षता वैज्ञानिकों ने दिखाई, वह भारत के लिए ही नहीं दुनिया के लिए बड़ी उपलब्धि है। भारत में अभी कुछ और टीकों का निर्माण भी चल रहा है। यही नहीं देश मास्क, पीपीई किट, वेंटीलेटर के निर्माण में भी न केवल आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि निर्यातक देश भी बन गया है। भारत में जो टीके बने हैं, वे अत्यंत सस्ते होने के साथ इन्हें लगाना भी आसान है। इनका निर्माण पूरी तरह भारतीय वातावरण के अनुकूल है इसलिए इसे देश के अस्पतालों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रखना भी आसान है। भारत में कोविड-19 जैसे दुर्लभ विषाणु के परीक्षण की पहले एक ही प्रयोगशाला थी, किंतु अब पूरे देश में 2300 प्रयोगशालाएं हैं।

नरेंद्र मोदी की अगुआई में ही स्वतंत्रता के बाद यह पहला अवसर था कि परंपरागत आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली को कोरोना जैसे जानलेवा रोग के उपचार में आधिकारिक मान्यता मिली। अब तो केंद्र सरकार ने वे सारी बाधाएं भी खत्म कर दी हैं, जो आयुर्वेद उपचार को ऐलोपैथी के समकक्ष खड़ा करने में आड़े आ रही थीं। तय है, कालांतर में आयुर्वेद भी योग की तरह वैश्विक मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा। क्योंकि आयुर्वेद में भी विषाणुओं के टीके बनाने की प्रक्रिया के साथ, शल्य क्रिया की प्रक्रियाएं इलाज की मुख्यधारा में लाने की अनुमति सरकार ने दे दी है। कोरोना-काल में देखने में आया है कि प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाने वाले आयुर्वेद उत्पादों की बिक्री छह गुना बड़ी है, जबकि ऐलौपैथी दवाओं की बिक्री घटी है। गिलोय, तुलसी, हल्दी और अश्वगंधा दवाओं की मांग अभी बनी हुई है। इन सफलताओं के मिलने पर ही प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्ति मानव जब जोर लगाता है, पत्थर भी पानी बन जाता है को याद कर देशवासियों को मनोबल बनाए रखने का संदेश दिया।

भारत दुनिया की बड़ी आबादी वाला देश है। भारत से ज्यादा आबादी चीन और भारत के बाद कम आबादी वाला देश अमेरिका है। इस दृष्टि से प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाना भी एक चुनौती भरा काम है। इसीलिए पहले उन तीन करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों व चिकित्सकों को टीका लगाए जा रहे हैं, जो कोरोना से लड़ाई में प्रथम पंक्ति में हैं। इसके बाद पुलिस व सुरक्षाबलों को टीका लगेंगे। तत्पश्चात अन्य लोगों की बारी आएगी। प्रथम चरण में जिन तीन करोड़ों लोगों को टीका लगाने की शुरूआत हुई है, वही इतनी बड़ी संख्या है कि इतनी आबादी तमाम देशों की नहीं है। आबादी के लिहाज से भारत में 18 प्रतिशत लोग रहते हैं। भारत का टीकाकरण दुनिया की निगाह में हैं, क्योंकि दुनिया के बच्चों को जो 60 प्रतिशत टीके लगते हैं, उनका निर्माण भारत में ही होता है। भारत इस स्वदेशी टीकाकरण के अभियान में निर्बाध सफलता की ओर बढ़ता है तो भारत की इस क्षेत्र में विशेषज्ञता स्थापित होगी और कई देश टीका खरीदेंगे। जाहिर है, टीकों का निर्माण भविष्य में रोजगार का भी बड़ा जरिया बनने जा रहा है। इसीलिए टीकाकरण की अनुमति तब दी गई, जब पूरी तरह वैज्ञानिक टीकों के निर्माण के बाद स्वयंसेवियों पर किए परीक्षण से आश्वस्त हो गए। देश के चिकित्सा विज्ञानियों को ऐसा अनुमान है कि तीस करोड़ लोगों को टीका लगने के बाद समुदाय में हर्ड-इम्युनिटी विकसित हो जाएगी। मसलन समुदाय के स्तर पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाएगी।

कोरोना वैक्सीन पर भ्रम नहीं जागरुकता फैलाएं

पूरी दुनिया में मानव जाति पर तांडव मचा रहे कोरोना वायरस ने क्या हाल कर दिया यह सबके समक्ष है। इसके बावजूद राजनीति हो रही है। ऐसी घटनाओं को देखकर क्रोध भी आता है और तरस भी। गुस्से का कारण तो यह है कि जहां इस वायरस से हर रोज इतनी मौतें हो रही हैं उसके लिए अपनी ओर से किसी भी तरह का सहयोग न करना और लोगों को जागरूक करने की बजाय उनको भड़काया जा रहा है। तरस इसलिए आता है कि वो राजनीति की उस हद तक चले जाते हैं जहां उनको यह भी पता चल रहा है कि क्या बयान देने हैं। चूंकि जो लोग भी कोरोना वैक्सीन पर राजनीति कर रहे हैं उनको यह पता नहीं चल रहा है कि उनकी ऐसी बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा और इस वजह से उनके सम्मान पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

योगेश कुमार सोनी

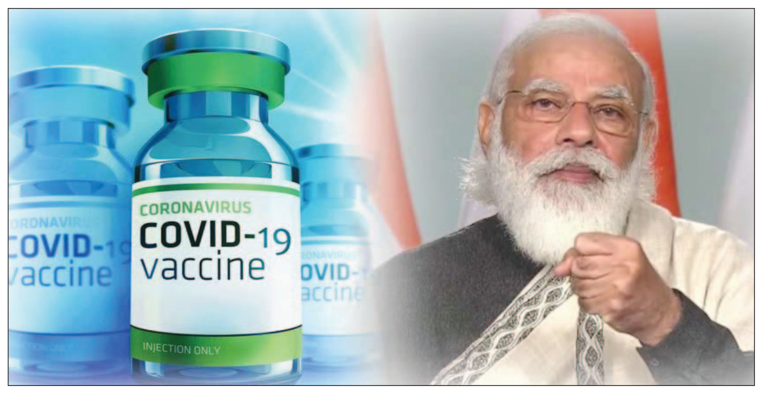

कोरोना की वैक्सीन का इंतजार भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया कर रही थी। हमारे देश का सौभाग्य है कि इसे अपने यहां तैयार किया गया है। 16 जनवरी से पूरे भारत में चरणबद्ध तरीके से वैक्सीन लगने की प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है। प्रमाणिकता के लिए देश के सबसे बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों व केंद्र सरकार की योजना के अनुसार पहले वैक्सीन स्वास्थ्यकर्मियों को दी जा रही है। सभी राज्यों में डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन के अन्य स्वास्थकर्मियों को टीका लगाया जा रहा है।

पूरी दुनिया को एकसाथ संकट में डालने वाले जानलेवा कोरोना वायरस से हर कोई परेशान है। अमेरिका के बाद भारत दुनिया का दूसरा देश है जहां कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा केस आए हैं। इसके अलावा बाकी देश भी इस संकट से निकलने के लिए प्रयासरत हैं लेकिन हमारे यहां वैक्सीन आने पर कुछ लोग परेशान हो रहे हैं। ऐसे लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए आमजन का भी नुकसान कर रहे हैं। सही काम न करने पर राजनीति करना या केन्द्र में बैठी सरकार का विरोध करना जरूरी है लेकिन जब बात मानव जीवन पर आ जाए तो राजनीति न करके ऐसे में अपनी बेहतर सलाह देते हुए सहयोग करना चाहिए।

पूरी दुनिया में मानव जाति पर तांडव मचा रहे कोरोना वायरस ने क्या हाल कर दिया यह सबके समक्ष है। इसके बावजूद राजनीति हो रही है। ऐसी घटनाओं को देखकर क्रोध भी आता है और तरस भी। गुस्से का कारण तो यह है कि जहां इस वायरस से हर रोज इतनी मौतें हो रही हैं उसके लिए अपनी ओर से किसी भी तरह का सहयोग न करना और लोगों को जागरूक करने की बजाय उनको भड़काया जा रहा है। तरस इसलिए आता है कि वो राजनीति की उस हद तक चले जाते हैं जहां उनको यह भी पता चल रहा है कि क्या बयान देने हैं। चूंकि जो लोग भी कोरोना वैक्सीन पर राजनीति कर रहे हैं उनको यह पता नहीं चल रहा है कि उनकी ऐसी बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा और इस वजह से उनके सम्मान पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

देश में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या डेढ़ लाख से अधिक हो चुकी है। संक्रमण से ठीक होने की मरीजों की दर बढ़कर 96.42 प्रतिशत तक आ चुकी है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि केन्द्र व राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर पर बेहतर काम कर रही हैं। लेकिन जो लोग इस समय देश की मशीनरी का हिस्सा नहीं हैं वो लोग देश में नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं। दुनिया के लगभग हर देश में वैक्सीन के पैसे ले लिये जा रहे हैं या लेने की बात चल रही है। यदि हमारे देश में भी ऐसा होता तो इससे भी ज्यादा राजनीति होती इसलिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इसे देशवासियों को मुफ्त देने के लिए कहा है।

कोरोना वैक्सीन की लॉन्चिंग से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन अपने बयान को लेकर वे चौतरफा घिरते नजर आए और जब टीकाकरण की शुरुआत हुई तो अखिलेश यादव के स्वर बदल गए। अब वे भी इसका स्वागत कर रहे हैं। इसके अलावा भी कांग्रेस व अन्य कुछ दलों की ओर से विरोध के स्वर उठ रहे हैं जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

बहरहाल, स्पष्ट है कि जनसंख्या के आधार पर हिन्दुस्तान जैसे देश को संभालने का मतलब है कि लगभग पच्चीस देशों को संचालित करना। यहां रंग, जाति, धर्म व वर्ग के आधार पर जिस तरह राजनीति होती है वो सरकारों को हर पल चुनौती देती रहती हैं। इसलिए आप कम से कम सरकार पर इतना भरोसा जरूर रखें कि इतने बड़े मामले पर आपके साथ कुछ गलत नहीं करेगी।

कुछ लोग अशिक्षितों को भड़काने का काम कर रहे हैं। ऐसी-ऐसी बातें कह रहे हैं जिसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं। मुसलमानों के कुछ आकाओं ने भी फरमान जारी कर दिए कि कोरोना वैक्सीन के बहाने मोदी सरकार मुसलमानों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे लोगों की वजह देश में भ्रम फैल रहा है जिसका प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर आमजन को नुकसान हो रहा है। इसके अलावा एक वर्ग ऐसा जो सोशल मीडिया पर किसी भी घटना की जांच किए बिना उसको शेयर कर देता है जिससे एक ऐसी चेन बन जाती है कि लोग भ्रमित हो जाते हैं, इसलिए ऐसे लोगों से बचें। जानकारी ही आपका बचाव है। यहां बात केन्द्र में बैठी मोदी सरकार या राज्य में बैठी किसी भी दल की सरकार की नहीं, जो भी देश या राज्य को संचालित करता है उसे सिस्टम को चलाने में हर स्थिति में बेहतर कार्य करना फर्ज होता है।

अब विकास का साथ देने को तैयार बंगाल का वोटर

आर.के. सिन्हा

कोलकाता में एक तरह का डर और बेचैनी का माहौल है। आप किसी चाय की दुकान में खड़े होकर पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव के बारे में किसी स्थानीय बंगबंधु से पूछिए। वह आशंका जताएगा कि चुनाव के पहले राज्य में भारी हिंसा हो सकती है। भय और आतंक का माहौल बनाया जा सकता है। कोलकाता से आपको सारे प्रदेश की मनस्थिति का अंदाजा लग जाता है। जब देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहा है तब यह स्थिति निश्चित रूप से उदास करने वाली है। पश्चिम बंगाल में मई तक विधानसभा चुनाव संपन्न हो जाएंगे। वहां मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल जल्दी ही समाप्त हो रहा है।

देखा जाए तो ममता बनर्जी के दस वर्षों के कार्यकाल के दौरान देश का एक शानदार राज्य पिछड़ता ही रहा। वहां बार-बार हिंसा होती रही। पश्चिम बंगाल में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का नारा लगाने वालों को गिरफ्तार किया जाता रहा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) 2011 में पहली बार सत्ता में आई तो आशा जागी थी कि राज्य में वाम मोर्चा की सरकार के 35 साल पुराने कुशासन के अंत के साथ राज्य में विकास का पहिया चलने लगेगा। पर यह नहीं हुआ। वहां भारी पैमाने पर अराजकता और अव्यवस्था व्याप्त होने लगी। अब ममता बनर्जी के लिए राज्य में भाजपा के बढ़ते कदम खतरे की घंटी के समान है। उनके हाथ-पैर फूल चुके हैं। उन्हें अब समझ आ गया है कि 2021 का विधानसभा चुनाव टीएमसी के लिए ताबूत में आखिरी कील साबित होंगे।

याद करें कि ममता बनर्जी कुछ समय पहले तक देश की प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रही थीं। ताजा स्थिति यह है कि वे अब अपने ही राज्य में बुरी तरह नापसंद की जा रही हैं। इसका उदाहरण हमने बीते 2019 के लोकसभा चुनाव में देखा। वहां लोकसभा चुनाव के दौरान कसकर तृणमूल प्रायोजित हिंसा हुई फिर भी नतीजे भाजपा के पक्ष में रहे थे। भाजपा ने टीएमसी की गर्दन में अंगूठा डाल दिया था। राज्य की कुल 42 में से 18 सीटें भाजपा को मिलीं। जबकि भाजपा को 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में मात्र 2 सीटें ही मिलीं थी। यह बदलाव इसलिए हुआ क्योंकि राज्य की जनता ममता बनर्जी के कामकाज से हताश हो चुकी है। वहां विकास थम चुका है। दुखद यह है कि ममता दीदी सिर्फ मुसलमानों के तुष्टिकरण में ही लगी रहीं। ममता दीदी को लगता था कि वे प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा को बुरा-भला कहकर ही प्रधानमंत्री भी बन ही जाएंगी।

सबसे गंभीर बात यह है कि ममता बनर्जी राज्य के किसानों के हितों को लेकर कतई संवेदनशील नहीं है। देश के 9 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों के बैंक खाते में सीधे 18 हजार करोड़ रुपए जमा हुए हैं। केन्द्र सरकार की योजना से देश के लाखों किसानों को सीधा तत्काल फायदा हुआ। हालांकि, अफसोस की बात यह है कि पश्चिम बंगाल के 70 लाख से ज्यादा किसानों को इसका फायदा नहीं मिला। वहां के लाखों किसानों ने इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन भी किया लेकिन ममता सरकार इनका सत्यापन नहीं कर रही है। बिना राज्य सरकार के सत्यापन के गरीब किसानों के खाते में पैसा जायेगा नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि पश्चिम बंगाल को एक के बाद एक निकम्मी सरकारें ही मिलती रहीं। इनकी राजनीतिक विचारधारा के कारण राज्य पिछड़ता गया। अब तो आम जनता यह कह रही है कि इससे अच्छी सरकार ज्योति बासु की ही थी।

यकीन मानिए वहां भाजपा के पक्ष में जबरदस्त जन जागृति का माहौल बन चुका है। सभी शांति-व्यवस्था चाहने वाले आम जन भाजपा के पक्ष में गोलबंद हो चुके हैं। भाजपा प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है और ममता की पार्टी का ग्राफ रोज धूल में मिलता जा रहा है। अब डर यह है पश्चिम बंगाल ने पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह की मारकाट देखी, उसकी कहीं पुनरावृत्ति न हो जाये। पिछले लोकसभा चुनाव में जब सारे देश में चुनाव की प्रक्रिया कमोबेश शांति से संपन्न होती रही थी, महर्षि अरविन्दो, स्वामी विवेकानंद, गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सत्यजीत राय का पश्चिम बंगाल हिंसा से जल रहा था। राज्य का मतदाता टीएमसी की नीतियों और कार्यक्रमों से बेहाल है। इसलिए जनता को भाजपा में ही उम्मीद दिखाई देती है। बंगाल की जनता को पहले कांग्रेस और उसके बाद लेफ्ट दलों ने बुरी तरह छला और निचोड़ा था।

दरअसल ममता बनर्जी सदैव दोहरी नीति पर चलती रही हैं। पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग से लेकर 24-परगना जिला तक अशांत रहे। ममता बनर्जी ने दार्जिलिंग के सीधे-सरल लोगों की भी एक नहीं सुनी। दार्जिलिंग वासी अपने हकों के लिए सड़कों पर उतरे थे। लेकिन, ममता की 24 परगना में हंगामा करने वालों पर नजरें इनायत ही रही। आपको याद होगा कि 24 परगना में एक आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट से नाराज होकर एक खास समुदाय के गुंडों ने जमकर बवाल काटा था।

मुसीबत में है व्हाट्सएप

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

आजकल व्हाट्सएप को दुनिया के करोड़ों लोग रोज इस्तेमाल करते हैं। वह भी मुफ्त! लेकिन पिछले दिनों लाखों लोगों ने उसकी बजाय 'सिग्नल', 'टेलीग्राम' और 'बोटिम' जैसे माध्यमों की शरण ले ली और यही क्रम कुछ महीने और भी चलता रहता तो करोड़ों लोग 'व्हाट्सएप' से मुंह मोड़ लेते। ऐसी आशंका इसलिए हो रही है कि व्हाट्सएप की मालिक कंपनी 'फेसबुक' ने नई नीति बनाई है जिसके अनुसार जो भी संदेश व्हाट्सएप से भेजा जाएगा, उसे फेसबुक देख सकेगा याने जो गोपनीयता व्हाट्सएप की जान थी, वह निकलनेवाली थी।

व्हाट्सएप की सबसे बड़ी खूबी यही थी और जिसका बखान उसे खोलते ही आपको पढ़ने को मिलता है कि आपकी बात या संदेश का एक शब्द भी न कोई दूसरी व्यक्ति सुन सकता है और न पढ़ सकता है। यही वजह थी कि देश के बड़े-बड़े नेता भी आपस में या मेरे-जैसे लोगों से दिल खोलकर बात करना चाहते हैं तो वे व्हाट्सएप का ही इस्तेमाल करते हैं। इसका दुरुपयोग भी होता है। आतंकवादी, हत्यारे, चोर-डकैत, दुराचारी और भ्रष्ट नेता व अफसरों के लिए यह गोपनीयता वरदान सिद्ध होती है। इस दुरुपयोग के विरुद्ध सरकार 'व्यक्तिगत संवाद रक्षा कानून' ला रही है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता की रक्षा तो करेगा ही लेकिन संविधान विरोधी बातचीत या संदेश को पकड़ सकेगा।

अभी भी व्हाट्सएप पर स्वास्थ्य-जांच रपटें, यात्रा और होटल के विवरण तथा व्यापारिक लेन-देन के संदेशों को भेजने की खुली व्यवस्था है। 'फेसबुक' चाहती है कि 'व्हाट्सएप' की समस्त जानकारी का वह इस्तेमाल कर ले ताकि उससे वह करोड़ों रुपये कमा सकती है और दुनिया के बड़े-बड़े लोगों की गुप्त जानकारियों का खजाना भी बन सकती है। व्हाट्सएप इस नई व्यवस्था को 8 फरवरी से शुरू करनेवाला था लेकिन लोगों के विरोध और क्रोध को देखते हुए उसने अब इसे 15 मई तक आगे खिसका दिया है। फेसबुक को व्हाट्सएप की मिल्कियत 19 अरब डॉलर में मिली है। वह इसे कई गुना करने पर आमादा है। उसे पीछे हटाना मुश्किल है लेकिन 'यूरोपियन यूनियन' की तरह भारत का कानून इतना सरल होना चाहिए कि नागरिकों की निजता पूरी तरह से सुरक्षित रह सके लेकिन मेरा अपना मानना यह है कि जिन लोगों का जीवन खुली किताब की तरह होता है।

सब करें विचार तभी तो होगा आरोग्य पर अधिकार

सियाराम पांडेय

प्रदेश में पहले भी पूर्व सरकारों में स्वास्थ्य मेले लगते रहे हैं लेकिन वह किस तरह लगते थे और वहां जांच -उपचार के नाम पर क्या कुछ होता था, यह किसी से भी छिपा नहीं है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में लगने वाले स्वास्थ्य मेलों से औपचारिकता समाप्त हुई थी और लोगों का उनपर विश्वास भी जमने लगा लेकिन कोरोना महामारी ने स्वास्थ्य मेलों के आयोजन पर रोक की जमीन तैयार कर दी थी। अब अगर उत्तर प्रदेश में नए सिरे से स्वास्थ्य मेलों का अयोजन शुरू हुआ है तो इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए उसका संतुष्ट होना जरूरी है। इसलिए कारोबार, रोजगार में बढ़ोतरी होते रहना बहुत जरूरी है। शौचालय अगर आरोग्य का आधार है तो नारी गरिमा का प्रतीक भी है। बकौल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दो करोड़ों 61 लाख लाभार्थियों को शौचालय का लाभ मिला है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की एक महिला को सामुदायिक शौचालय के रखरखाव के साथ जोड़ा जा रहा है। इस कार्य के लिए महिला को 6 हजार रुपये का मानदेय दिया जा रहा है।

व्यक्ति के जीवन में जिस तरह सोलह संस्कार होते हैं, सोलह शृंगार होते हैं, उसी तरह उसकी जिंदगी में सोलह तरह के सुख और सोलह तरह के दुख होते हैं। निरोगी शरीर को जीवन का पहला सुख कहा गया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आरोग्य को अगर सबका अधिकार बता रहे हैं तो यह उचित ही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरोग्यता प्राप्त करना हर किसी का अधिकार है। फर्रूखाबाद जिले के विख्यात बौद्ध पर्यटक तीर्थस्थल संकिसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के 3400 स्थानों पर जन आरोग्य मेलों का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश का हर आदमी निरोगी रहे, इसके लिए सरकार यथासंभव प्रयास कर भी रही है। सरकार की अपनी सीमा है लेकिन अगर हर व्यक्ति को जागरूक किया जा सके तो उसे रोगों के प्रभाव से बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य विज्ञानी भी मानते हैं कि 80 प्रतिशत बीमारियां मन की होती है। 20 प्रतिशत बीमारी ही तन की होती है। जिनका मनोबल मजबूत होता है, पहली बात तो वे बीमार नहीं होते और कदाचित होते भी हैं तो जल्द ही ठीक भी हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया है कि प्रदेश के हर नागरिक को कोरोना का टीका लगेगा लेकिन चरणबद्ध ढंग से। कुछ लोग ड्राई रन की राजनीतिक आलोचना कर सकते हैं लेकिन ऐहतियात के नजरिए से यह एक अच्छा प्रयोग है। कोई भी अभियान शुरू करने से पहले व्यवस्था बिगाड़ने वाले हर छिद्र को बंद कर देना चाहिए। साथ ही हर कील-कांटे दुरुस्त कर लेना चाहिए। प्रदेश के लोगों का जीवन आरोग्यमय हो, इसके लिए सर्वप्रथम सरकार द्वारा योगदिवस का आयोजन किया गया था। नसीहत दी गई थी कि योग करें और निरोग रहें। इसके बाद अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के मुकम्मल प्रयास भी हुए। अगर सरकार जन आरोग्य मेलों का आयोजन कर रही है तो इसके मूल में जनहित का भाव ही प्रमुख अभीष्ट है। मेलों के दौरान चिकित्सक दवाई देंगे, सामान्य बीमारियों की जांच एवं उपचार करेंगे तो इससे दो लाभ होंगे। एक यह कि लोग बड़ी बीमारियों से बचेंगे। दूसरा, सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं से वे अवगत हो सकेंगे। उन्हें आयुष्मान भारत योजना के सम्बन्ध में जानकारी मिलेगी। इसके तहत गोल्डन कार्ड दिए जाएंगे। यह एक अच्छी पहल है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री की मानें तो टीबी के उपचार की व्यवस्था की जाएगी। बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को लगने वाले टीके की जानकारी दी जाएगी। इसमें शक नहीं कि आरोग्य मेलों से लाखों की संख्या में लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हुआ है।

प्रदेश में पहले भी पूर्व सरकारों में स्वास्थ्य मेले लगते रहे हैं लेकिन वह किस तरह लगते थे और वहां जांच - उपचार के नाम पर क्या कुछ होता था, यह किसी से भी छिपा नहीं है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश में लगने वाले स्वास्थ्य मेलों से औपचारिकता समाप्त हुई थी और लोगों का उनपर विश्वास भी जमने लगा लेकिन कोरोना महामारी ने स्वास्थ्य मेलों के आयोजन पर रोक की जमीन तैयार कर दी थी। अब अगर उत्तर प्रदेश में नए सिरे से स्वास्थ्य मेलों का अयोजन शुरू हुआ है तो इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए उसका संतुष्ट होना जरूरी है। इसलिए कारोबार, रोजगार में बढ़ोतरी होते रहना बहुत जरूरी है। शौचालय अगर आरोग्य का आधार है तो नारी गरिमा का प्रतीक भी है। बकौल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दो करोड़ों 61 लाख लाभार्थियों को शौचालय का लाभ मिला है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की एक महिला को सामुदायिक शौचालय के रखरखाव के साथ जोड़ा जा रहा है। इस कार्य के लिए महिला को 6 हजार रुपये का मानदेय दिया जा रहा है।

सुरक्षा का संकट हो तब भी व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं रह सकता। न तो व्यापार कामयाब हो सकता है और न व्यक्ति निरापद ढंग से अपने काम कर सकता है। सरकार ने आराजक तत्वों पर नकेल कसकर प्रदेश को मानसिक तौर पर स्वस्थ रखने का काम किया है। भय व्यक्ति का सबसे बड़ा शत्रु है। वह किसी भी बीमारी से बड़ी बीमारी है। माफियाओं के घरों पर चलते बुलडोजर आम जन को सुरक्षा की गारंटी तो देते ही हैं। सरकार जब सबके साथ, सबके विकास और सबके विश्वास की बात करती है तो पता चलता है कि वह यह सब बिना किसी मतभेद के कर रही है। उसका दावा है कि शासन की हर एक योजना का लाभ पात्र लाभार्थी तक पहुंचेगा।

एक जनपद, एक उत्पाद योजना के तहत युवाओं और परम्परागत उद्यमियों को जोड़कर,उन्हें स्वरोजगार के लिए बैंक से लोन दिलवाकर, युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन कर सरकार घर में माया यानी दूसरे सुख का भी बंदोबस्त कर रही है। कृषि संरचना को सुदृढ़ करने, कोल्ड स्टोरेज और भण्डारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के पीछे सरकार की योजना किसानों को मजबूती देने और मानसिक,आर्थिक संबल प्रदान करने की है। महिलाएं भी स्वयंसेवी समूह बनाकर कृषि क्षेत्र में योगदान करें, ऐसा सरकार का प्रयास है। जनसहभागिता से कृषि क्षेत्र में सुधार को द्रुतगति प्रदान करने की दिशा में सरकार न केवल सोच रही है बल्कि उस पर अमल भी कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, एक जनपद-एक उत्पाद सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन के जरिए सरकार की मंशा व्यक्ति को मानसिक और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की है। सरकार की योजना सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक समरसता लाने की है। वह जीवन के हर पहलू पर ध्यान दे रही है लेकिन यह काम अकेले सरकार का ही नहीं है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 20.48 लाख अयोग्य लाभार्थियों को 1,364 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना के जवाब में दी है। पंजाब, असम, केरल और महाराष्ट्र के ज्यादातर लाभार्थी इस कोटि के हैं जिन्होंने अयोग्य होते हुए भी किसान सम्मान निधि हासिल की है।

भारतीयों! तुम पर गर्व है

संयुक्तराष्ट की एक ताजा रपट में कहा गया है कि दुनिया के विभिन्न देशों में 1 करोड़ 80 लाख भारतीय प्रवास कर रहे हैं। मैं यदि इनकी संख्या दो करोड़ कहूं तो ज्यादा सही होगा, क्योंकि फिजी से सूरिनाम तक फैले 200 देशों में भारतीय मूल के लाखों लोग पिछले सौ-डेढ़ सौ साल से वहीं के होकर रह गए हैं। जब से यातायात की सुविधाएं बड़ी हैं और तकनीक के विकास ने दुनिया को छोटा कर दिया है, लगभग सभी देशों में प्रवासियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो गई है।

इस समय दुनिया के सब देशों में कुल मिलाकर 27 करोड़ विदेशी नागरिक रह रहे हैं। भारत के प्रवासियों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। अब से 50 साल पहले जब मैं न्यूयार्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में पड़ता था, तब न्यूयार्क जैसे बड़े शहर में मुझे कोई भारतीय कहीं दिख जाता था तो मेरी बाछें खिल जाती थीं। हिंदी में किसी से बात करने के लिए मैं तरस जाता था लेकिन अब अमेरिका के छोटे-मोटे गांवों में भी आप भारतीयों से टकरा सकते हैं। अबू धाबी और दुबई तो अब ऐसे लगते हैं, जैसे वे कोई भारतीय शहर ही हों। संयुक्त अरब अमारात में इस समय 35 लाख भारतीय हैं, अमेरिका में 27 लाख और सउदी अरब में 25 लाख!

आप दुनिया के किसी भी महाद्वीप में चले जाइए-आस्ट्रेलिया से अर्जेंटिना तक आपको भारतीय लोग कहीं भी दिख जाएंगे। पिछले 20 साल में एक करोड़ भारतीय विदेशों में जाकर बस गए हैं। अमेरिका, यूरोप और सुदूर पूर्वी देशों में तो प्रायः पढ़े-लिखे लोग जाते हैं और अरब देशों में मेहनतकश लोग! सब मिलाकर ये भारतीय सालाना 5 लाख करोड़ रु. भारत भेजते हैं। हमारे केरल जैसे प्रांतों की समृद्धि का श्रेय इसी को है।

जो भारतीय विदेशों में रहते हैं, वे वहां की संस्कृति से पूरा ताल-मेल बिठाने की कोशिश करते हैं लेकिन भारतीय संस्कृति उनकी नस-नस में बसी होती है। वे भारत में नहीं रहते लेकिन भारत उनमें रहता है। वे उन देशों के लोगों के लिए बेहतर जीवन-पद्धति का अनुकरणीय आदर्श उपस्थित करते हैं। अमेरिका में तो यह माना जाता है कि वहां रहनेवाले भारतीय लोग समूह के रुप में सबसे अधिक सुशिक्षित, सुसंस्कृत और सम्पन्न वर्ग के लोग हैं। यदि ये भारतीय आज एकाएक भारत लौटने का फैसला कर लें तो अमेरिका को हृदयाघात (हार्ट अटैक) हो सकता है। अब से 20 साल पहले मैंने लिखा था कि वह दिन दूर नहीं जबकि अमेरिका का राष्ट्रपति कोई भारतीय मूल का व्यक्ति होगा। कमला हैरिस इस लक्ष्य के पास पहुंच चुकी हैं। दुनिया के लगभग एक दर्जन देशों में भारतमाता के बेटे-बेटियां सर्वोच्च पदों पर या उन तक पहुंच चुके हैं। हमें उन पर गर्व है।

मुझे खुद को बचाने की कोई इच्छा नहीं थी, और मैंने कभी इसके बारे में गंभीरता से नहीं सोचा।
- भगत सिंह

मोहनलालगंज के प्राइमरी स्कूलों में जर्जर भवन में पढ़ रहे बच्चे

जान का जोखिम

नीतिका द्विवेदी

मोहनलालगंज (क्राइम रिव्यू)। गाजियाबाद में श्मशान घाट पर छत गिरने से पच्चीस लोगों की मौत के बाद भी राजधानी में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के जिम्मेदार सबक लेने को तैयार नहीं हैं। लिहाजा अकेले मोहनलालगंज ब्लाक में ही तीन प्राइमरी स्कूलों में जर्जर भवन बच्चों की जान का जोखिम बढ़ा रहे हैं। जबकि सीएचसी में जर्जर भवन रोगियों की जान सांसत में डाल रहे है। सरकार का कायाकल्प अभियान भी यहां बेमतलब साबित हो रहा है।

मोहनलालगंज ब्लाक के प्राइमरी स्कूल लवल का भवन बेहद पुराना और जर्जर है। दीवारों में दरारें आ चुकी हैं और जगह-जगह प्लास्टर टूटकर गिर रहा है। स्कूल स्टाफ और पंचायत की ओर से इसकी शिकायत बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कर जर्जर भवन को ढ़हाने और नया भवन निर्माण कराने की मांग की जा चुकी है। लेकिन आंख मूंदकर बैठे विभाग के जिम्मेदार शायद अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। प्राइमरी स्कूल जबरौली की हालत भी कमोवेश ऐसी ही है। स्कूल का पुराना भवन बेहद जर्जर और निष्प्रयोज्य हालत में है। लिहाजा प्राइमरी स्कूल के बच्चों की क्लासेज अपर प्राइमरी स्कूल की बिल्डिंग में शिफ्ट करनी पड़ी है। प्रधान और स्कूल टीचर्स इसकी शिकायत बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से भी कर चुके हैं लेकिन जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं। प्राइमरी स्कूल नगराम का जर्जर भवन भी हादसे को दावत दे रहा है। निष्प्रयोज्य भवन से बच्चों की क्लासेज दूसरे स्कूल कैम्पस में शिफ्ट कर किसी तरह काम चलाया जा रहा है। शिकायतों के बावजूद शिक्षा विभाग और नगर पंचायत के अधिकारी हाथ पर हाथ रखे बैठे हैं।

जर्जर भवन में सीएचसी की कोल्ड चेन, फार्मेसी

मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में टीकाकरण के लिए वायल की कोल्ड चेन और दवाओं की फार्मेसी जर्जर भवन में बना रखी गई है। जहां सीएचसी स्टाफ और फील्ड कर्मियों का दिनभर आवागमन बना रहता है। इसके अलावा फार्मेसी में अक्सर रोगी भी दवाएं लेने के लिए पहुंचते रहते हैं। कायाकल्प का जायजा लेने आई टीम भी सीएचसी अधिकारियों से इसे लेकर गहरी नाराजगी जता चुकी है। फिर भी जिम्मेदार अफसर मूकदर्शक बने बैठे हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी

खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र प्रसाद ने बताया प्राइमरी स्कूल लवल और जबरौली के जर्जर भवन को ध्वस्त कर नए कमरों का निर्माण कराने के लिए पीडब्ल्यूडी से मूल्यांकन कराकर विभाग से बजट मांगा गया है। प्राइमरी स्कूल नगराम के लिए नगर पंचायत अधिकारियों से भी बातचीत की जा रही है। जल्द से जल्द समस्या का समाधान करा लिया जाएगा।

व्यापारियों के साथ है सरकार : महेश

मोहनलालगंज। रहीमाबाद पहुंचे नगर विकास राज्यमंत्री का व्यापारियों सहित क्षेत्रवासियों ने जोश खरोश के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। राज्य मंत्री रहीमाबाद में गुड्डू की दुकान पर कुछ देर रुके । जोरदार स्वागत को देखकर उन्होंने यहां के लोगों की खूब प्रशंसा की। नगर विकास राज्यमंत्री महेश चन्द्र गुप्ता जैसे ही रहीमाबाद चौराहे पर पहुँचे। रहीमाबाद क्षेत्रवासियों ने जोरदार स्वागत किया राज्य मंत्री ने रहीमाबाद के विकास को देखकर कहा कि जिस तरह से चौराहा पिछले कई सालों से तरक्की करता चला जा रहा है । काफी सराहनीय है और यहां के लोग भी काफी मोहब्बत पसंद हैं । स्वागत समारोह में उन्होंने क्षेत्रवासियों की को प्रशंसा की ।इस मौके पर रियाज हुसैन ,अवधेश कुमार उर्फ गुड्डू ,अजय कुमार उर्फ काया, राहुल, हरिकृष्ण गुप्ता सहित सैकड़ों क्षेत्र वासी स्वागत समारोह में मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने ड्रग इंस्पेक्टरों की भर्ती का विज्ञापन किया रद्द, राज्य सरकार को नया विज्ञापन जारी करने की मिली छूट

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश मे ड्रग इंस्पेक्टरों की सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2016 में जारी विज्ञापन को प्राधिकार विहीन व संबंधित नियम के खिलाफ करार देकर रद्द कर दिया है। कोर्ट ने इस विज्ञापन के तहत हुए चयन को भी निरस्त करते हुए राज्य सरकार को यह छूट दी है कि इसके लिए सम्बंधित कानून के नियम के तहत नया विज्ञापन या शुद्धिपत्र जारी कर सकती है। साथ ही यूपी लोक सेवा आयोग से भी अपेक्षा की है कि वह लागू कानून के तहत कार्यवाही करे।

न्यायामूर्ति ए आर मसूदी ने यह अहम फैसला अशीष त्यागी व अन्य की याचिका पर दिया। यचियों ने ड्रग इंस्पेक्टरों की भर्ती को 10अगस्त 2016 को जारी विज्ञापन को चुनौती दिया था। यचियों का कहना था कि विज्ञापन में दी गई अर्हता, ड्रग ऐंड कस्मेटिक अघिनियम 1940 के नियम 49 के तहत वर्णित जरूरी योग्यता के मुताबिक नहीं थी, ऐसे में यह विज्ञापन रद्द किए जाने लायक था। उधर, राज्य सरकार व यूपी लोक सेवा आयोग की तरफ से विज्ञापन को उचित कहते हुए याचिका का विरोध किया गया। कोर्ट ने याचिका को मंजूर करते हुए ड्रग इंस्पेक्टरों की सीधी भर्ती के लिए वर्ष 2016 में जारी विज्ञापन को प्राधिकार विहीन व संबंधित नियम के खिलाफ करार देकर रद्द कर दिया।कोर्ट ने इस विज्ञापन के तहत हुए चयन को भी निरस्त करते हुए राज्य सरकार को यह छूट दी है कि इसके लिए सम्बंधित कानून के नियम के तहत नया विज्ञापन या शुद्धिपत्र जारी कर सकती है।

मोहनलालगंज में अधिवक्ताओं का बहिष्कार जारी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज में करीब दो सप्ताह से अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से बहिष्कार जारी कर रखा है । मंगलवार को बार अध्यक्ष व महामंत्री की अगुवाई में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने तहसील प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए लिखित दिए गए ज्ञापन पर जब तक प्रशासन द्वारा सुधार नही किया जाता तब तक बहिष्कार जारी रखने का ऐलान किया है ।

बार अध्यक्ष अनिल अस्थाना ने बताया कि लगभग दो सप्ताह पहले मोहनलालगंज तहसील प्रसाशन की कार्य प्रणाली से नाराज पदाधिकारियों ने एसडीएम को तहसील की मुख्य समस्याओं को लिखित अवगत कराया है । वही पत्र के माध्यम से समस्याओं के निराकरण का जवाब भी मांगा था लेकिन तहसील प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार से कोई जवाब न आने पर नाराज अधिवक्ताओं ने मंगलवार को एसडीएम व तहसीलदार न्यायालयों के बहिष्कार करने का फैसला लिया जो लगभग एक सप्ताह तक चलता रहा ।

उसके बाद भी तहसील प्रशासन की ओर से कोई न तो जवाब आया और न ही लिखित दी गई समस्याओं में कोई सुधार हुआ । इस पर अधिवक्ताओं की नाराजगी और ब? गई। बीते सोमवार से अधिवक्ताओं ने तहसील के सभी न्यायालयों के बहिष्कार कर न्यायिक कार्य से विरत रहने का आम सभा मे फैसला ले लिया । वही मंगलवार को अयोजित तहसील दिवस में आये एडीएम से अधिवक्ताओ की नारे बाजी सुन सभा कक्ष से बाहर आये और बताया कि इस प्रकरण की अभी तक हमे कोई जानकारी नही है।

इस पर अधिवक्ता तहसील प्रसाशन विरोधी नारे लगाते हुए धरना प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ गए । वही बार महामंत्री देवेश सिंह ने बताया कि तहसील में मौजूद एसडीएम विकास सिंह यादव राजस्व संहिता के विपरीत कार्य कर रहे है इसी के चलते वादकरियो को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है व अधिवक्ताओं ने ऐसी कार्य प्रणाली का विरोध किया बावजूद किसी प्रकार से अब तक कोई सुधार नही किया अब जब सुधार नहीं होगा, कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

बाल निकुंज में शिक्षक बेस्ट टीचर्स अवार्ड से हुए सम्मानित

क्राइम रिव्यू

लखनऊ । बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल पलटन छावनी अलीगंज, लखनऊ के प्रांगण में गुरू गोविन्द सिंह जयंती के अवसर पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए ऑनलाइन शिक्षण कार्य के लिए शाखावार बेस्ट-5 शिक्षकों का चयन किया गया जिन्हें मैनेजिंग डाइरेक्टर एच.एन. जायसवाल द्वारा

'श्री शिवसहाय जी बेस्ट टीचर्स अवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार एवं दुशाला भेंटकर उनका हौसला अफजाई किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने बेस्ट चुने जाने पर खुशी एवं गौरव का अनुभव करते हुए अपने विचार भी रखे जिसमें बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल की प्राइमरी सेक्शन की अध्यापिका श्रीमती ममता राय ने बताया कि मुझे बचपन से ही पढ़ाई के दौरान बेस्ट रहने का शौक रहा है और मैं सभी बच्चों को बेस्ट बनाने का ही प्रयास करती रहती हूँ। मैं चाहती हूं कि विद्यालय आते ही सभी बच्चों की नजर मुझ पर पड़े और मेरी नजर सभी बच्चों पर पड़े और मैं सभी बच्चों के दिल में उतरकर उन्हें अपने फेवर में कर लेती हूं और बच्चे ही नहीं उनके अभिभावक तक मेरी प्रशंसा करते थकते नहीं हैं अभिभावक का कहना है कि सभी बच्चे मेरा कार्य सबसे पहले करते हैं और घर में बताते भी हैं कि मेम ममता राय से मुझे डर नहीं लगता वे मुझे बहुत प्यार करती हैं। वहीं दूसरी तरफ इसी शाखा के हाईस्कूल सेक्शन के साइंस अध्यापक श्री अभिषेक सिंह ने बताया कि शिक्षक होने के नाते मेरा पहला प्रयास रहता है कि मैं सभी बच्चों को सबसे अच्छा चरित्रवान नागरिक बनाऊं जिससे वे अपने घर-परिवार, समाज व देश के अच्छे नागरिक के रूप में पहचान बनाने में सफल हो सकें। कार्यक्रम के अन्त में प्रबंध निदेशक ने अपने सम्बोधन में कहा कि कोविड-19 लाइलाज महामारी के समय में एकाएक नये तरीके से ऑनलाइन कक्षाओं का आरम्भ करना सभी शिक्षकों के सामने चैलेंज का कार्य था किन्तु हमारे सभी शिक्षकों ने हिम्मत नहीं हारी और अपने-अपने खर्चे पर मोबाइल द्वारा व्हाट्सअप के माध्यम से पढ़ाने के नये तौर तरीके से बच्चां को समझाते रहे और पढ़ाई सुचारू रूप से चलायी जा रही है। इस अवसर पर कालेज के कोआर्डिनेटर सुधीर मिश्रा, पांचों शाखाओं के प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, इंचार्ज व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नशे से दूर रहें युवा : कौशल किशोर

क्राइम रिव्यू

मलिहाबाद। भाजपा सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वाकांक्षी कौशल विकास योजना का उद्घाटन सांसद कौशल किशोर ने किया आयोजित नशामुक्त समाज आन्दोलन को सम्बोधित करते हुये नशें से होने वाली बीमारियों व समाज मे होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी ग्रामीणों, नौजवानों, छात्रों एवं युवकों को दी।

ग्राम अटौरा स्थित पीवीआर जूनियर हाईस्कूल मे सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वकांक्षी कौशल विकास योजना का उद्घाटन करने पहुंचे भाजपा सांसद कौशल किशोर ने कौशल विकास योजना के बारे मे छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को बताया कि इस योजना के तहत छात्र-छात्राएं कम्प्यूटर, सिलाई मशीन सहित कई अन्य विषयों पर ज्ञान प्राप्त कर अपना निजी कारोबार या रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। सांसद कौशल किशोर द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त समाज आन्दोलन को सफल बनाने के लिये ग्राम पंचायत दतली व ग्राम अटौरा मे एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें भाजपा सांसद कौशल किशोर ने युवकों, पुरूषों एवं बेरोजगारों को नशे से होने वाली खामियों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि शराब मनुष्य के शरीर को खोखला कर देता है। जिससे प्रत्येक व्यक्ति को नशा से बचाना है जिसको सभी एक साथ संकल्प लेकर ही बचाया जा सकता है।

20 मेधावी छात्र-छात्राओं को दस-दस हजार रूपये की छात्रवृत्ति व प्रमाण पत्र बांटे

क्राइम रिव्यू

लखनऊ । क्यूब हाइवेज की एसपीवी कम्पनी,लखनऊ-रायबरेली टोलवे लिमिटेड द्वारा बुधवार को मोहनलालगंज कस्बे में स्थित नवजीवन इंटर कालेज में मेधावी छात्रो को प्रोत्साहित करने के लिये छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एन एन गिरी,प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएचएआई (पीआईयू) व विशिष्ठ अतिथि अनिल दीक्षित प्रबधंक, नवजीवन इंटर कालेज ने दीप प्रज्जवल कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।जिसके बाद मुख्य अतिथि ने 20 मेधावी छात्र-छात्राओ को दस-दस हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि के ड्राफ्टो व प्रमाण पत्रो का वितरण किया गया।

प्रोत्साहन

मोहनलालगंज कस्बे में स्थित नवजीवन इंटर कालेज में मेधावी छात्रो को प्रोत्साहित करने के लिये छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

मुख्य अतिथि एन एन गिरी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रो में छात्रो की प्रतिभा में कमी नहीं है, मगर उन्हें सही दिशा नहीं मिल पाती।परियोजना प्रमुख अनिरूद्ध सिहं ने सभी अतिथियों को पौधे भेटकर स्वागत किया। परियोजना प्रमुख अनिरूद्ध ने कहा संस्था मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देने के अलावा उनका मार्गदर्शन करने का काम भी करती है।संस्था का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है।इस अवसर पर एसपीवी कम्पनी द्वारा लखनऊ,रायबरेली के एक दर्जन कालेजो के 20मेधावी छात्र-छात्राओं को दस दस हजार रुपये प्रति छात्र कुल दो लाख रूपये के डिमांड ड्राफ्टो का वितरण किया गया।

एनएचएआई के अधिकारियों ने छात्र-छात्राओ को सड़क सुरक्षा के नियमो के बारे में विस्तार से बताने के साथ छात्रो से आस-पास के लोगो को भी सड़क सुरक्षा के नियमो को बताकर जागरूक करने की अपील की गयी।वही नवजीवन इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रमेश चन्द्र त्रिपाठी ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेटकर स्वागत किया।मंच सचांलन डी एस त्रिवेदी ने किया।इस मौके पर निगोहा थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिहं, एनएचएआई(टेक) मैनेजर उत्कर्ष शुक्ला, समाजसेवी सुरेन्द्र दीक्षित,योगेन्द्र तिवारी, अजय पांडे,नवेन्दु दीक्षित,विमल मिश्र,शिक्षक अजय शुक्ला, अनिल नायक,सभंव सिहं सहित शिक्षक व छात्र-छात्राये मौजूद रही।

राम के बिना आंनद नहीं : संत प्रमोद दास

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मुमुक्षु सेवा मिशन ट्रस्ट की ओर से इंदिरानगर, शिवाजी पुरम स्थित भागवत आश्रम में बुधवार से शुरु हुई श्रीराम कथा का शुभारम्भ करते हुये पूज्य संत प्रमोद दास जी महाराज ने कहा कि आनन्द से मिलन की राह है रामायण।

संतश्री ने कहा कि आंनद का ही नाम राम है। 'सो सुखधाम राम अस नामा' नियम है कि जो चीज जहां होगी वहीं पर मिलती हैं। इस लिए आंनद राम में है तो राम ने ही मिलेगा। समस्या यह है कि लोग आंनद चाहतें है किन्तु राम को नहीं चाहतें। जैसे घी दूध में ही है, उसके अलावा नकली होगा। वैसे ही आंनद राम में ही है, उनके अलावा नकली होगा।

उन्होंने कहा कि जैसे घी की प्राप्ति दूध से ही होगी। वैसे ही आंनद की प्राप्ति राम से ही होगी। जैसे दूध के बिना घी नहीं मिला वैसे ही राम के बिना आंनद नहीं मिलता और प्रभु को पाने कि राह यानी पथ है रामायण। रामायण जी के द्वारा बताए गए मार्ग पर चल कर जीव प्रभु श्री राम को सरलता से पा सकता है और प्रभु के मिलने से जीवन सदा के लिए आनंदित हो जाता है। कथा में व्यास पूजन एवं आरती सुनीता पांडे, रीता उपाध्याय, विशाल पांडे, जूही पांडे ने किया। ट्रस्ट के सचिव अमरनाथ ने बताया यह कथा 28 जनवरी तक सायं 4:30 बजे से 6:30 बजे तक होगी।

काकोरी में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न, विजेता सम्मानित

क्राइम रिव्यू

काकोरी। काकोरी के उच्च प्राथमिक विद्यालय भरोसा में ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण खुली खेल-कूद प्रतियोगिता वर्ष 2020-21 युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, के तत्वावधान में खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन ब्लॉक प्रमुख कुँवर राम विलास द्वारा दीप प्रज्वलन व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। जिसमें दौड़ (बालक/बालिका)

100, 200, 400, 800, 1500 व 3000 मीटर, लंबी कूद(बालक/बालिक),बॉलीबाल (बालक/ बालिक) ,भारतोलन (बालक/बालिका) आदि खेलों का आयोजन किया गया।

100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में कु0प्रीति को प्रथम स्थान तथा कु0मनस्वी कनौजिया को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ तथा पुरुष वर्ग में मनीष कनोजिया को प्रथम स्थान तथा अखिलेश को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

200 मीटर दौड़ महिला वर्ग में कु0 शालिनी को प्रथम स्थान तथा कु0 प्रीति को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में अपूर्व अवस्थी को प्रथम स्थान तथा सूरज यादव को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

400 मीटर दौड़ महिला वर्ग में कु0 सीता पाल को प्रथम स्थान तथा कु0 खुशबू को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में गोविंद को प्रथम स्थान तथा अमित को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

800 मीटर दौड़ महिला वर्ग में कु0 शालिनी को प्रथम स्थान तथा कु0 प्रीति को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में गोविंद को प्रथम स्थान तथा सागर को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

3000 मीटर दौड़ महिला वर्ग में सुमन रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा सीता पाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग में 3000 मीटर दौड़ में धर्मेंद्र ने प्रथम स्थान तथा अमित यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

लंबी कूद में महिला वर्ग में लक्ष्मी ने प्रथम स्थान तथा शालिनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । इसी प्रकार पुरुष वर्ग लंबी कूद में सागर ने प्रथम स्थान तथा शुभम रावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वालीबॉल मैच बालिका वर्ग में भरोसा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा पुरुष वर्ग में दसदोई की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन विकास खंड काकोरी के खंड विकास अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता द्वारा प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को पुरस्कार वितरित कर किया गया। कार्यक्रम को सकुशल व्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकगण वीरेंद्र सिंह, संजय पांडे, पंकज जैन, अमिता गुप्ता, कंचन यादव, बिद्यारानी, सविता सिंह, मधु लता, महिमा सक्सेना, अनुदेशक रामविलास शर्मा, पूनम गुप्ता, अंतिमा देवी ब्लॉक अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अजय व्यायाम शिक्षक धीरज त्रिपाठी उपस्थित रहे।

हिन्दू मुस्लिम एकता को लेकर हुई बैठक

क्राइम रिव्यू

मलिहाबाद। मलिहाबाद की कई ग्राम पंचायतों में हिंदू मुस्लिम भाईचारा के संबंध में अलग-अलग गांव में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें महान इस्लामिक रिसर्च व हिंदू धर्म के बुद्धिजीवी एवं क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। जिसमें गांव के संभ्रांत लोगों को एक मंच पर लाकर हिंदू मुस्लिम एकता का सौहार्द कायम करने के लिए लोगों से अपील की गई।

मलिहाबाद के ग्राम पंचायत जिन्दौर रहीमाबाद,तिरगवां सहित सभी गांव में लगातार आपसी सौहार्द बना रहे जिसको लेकर अलग-अलग गांव में संभ्रांत सैकड़ों लोग एक मंच पर आकर लोगों से अपील की ।जब तक देश की एकता बरकरार रहेगी देश और आगे तरक्की करेगा। जिसमें महान इस्लामिक रिसर्चर मौलाना सलमान हुसैनी नदवी (राष्ट्रीय अध्यक्ष सबाब उल इस्लाम) व क्षेत्र के सम्मानित सहित दोनों धर्म के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी लोगों ने एक साथ प्रण लिया कि आपस में भाईचारे के साथ हम सब हमेशा साथ रहेंगे मौलाना सलमान हुसैनी नदवी ने कहा की नफरत को दूर कर मोहब्बत से जीने का तरीका इस्लाम में बताया जाता है । इस्लाम दहशतगर्दी आतंकवाद बेगुनाहों का खून बहाना नहीं सिखाता है। कोई भी धर्म बुरा नहीं है अगर बुरा है तो वह इंसान और उसकी इंसानियत जब तक इस धरती पर मानवता का अस्तित्व रहेगा इस्लाम धर्म भी उसी मार्गदर्शन के लिए स्थापित रहेगा। मौलाना यूसुफ ने बताया कि इस्लाम मुल्क से और सभी इंसानों से मोहब्बत करना सिखाता है। इस्लाम यतीम और बेसहारा लोगों को सहारा देना सिखाता है । नफरत को दूर कर मोहब्बत से जीने का तरीका इस्लाम बताया जाता है।

हमारा देश एक मन्दिर है और हम इसके पुजारी, हमे राष्ट्रदेव की पूजा में खुद को समर्पित कर देना चाहिए।
– अटल बिहारी बाजपेयी

संवेदना और फर्ज दोनों का अद्भुत दृश्य हैं राज करण सिंह

शख्सियत

आज का युवा शोषित, वंचित लाचार के प्रति संवेदनशील होकर भी जनकल्याण के प्रति समर्पण के भावना से अपने आप को कर सकता है स्थापित

विवेक पाण्डेय

लखनऊ। सफलता के शिखर छूना कोई आसान काम नहीं है। परिश्रम की आंच में तपना होता है। लाखों कठिनाइयों को पार करने वाला ही ऊंचा उठता है। चंद महीनों या चंद साल में सफलताएं नहीं हासिल होती, उसके लिए एक लंबा सफर तय करना पड़ता है। सफलताओं में चार चांद कैसे लगाया जाता है इसे साबित कर रहे हैं सिंह फरूट एंड कम्पनी के निदेशक राजकरन सिंह उर्फ मुन्ना सिंह। अपने मेहनत और ईमानदारी के बल पर आज शहर के बड़े केला व्यापारी में शुमार किए जाते है मुन्ना सिंह। अब उन्होंने ठेकेदारी के क्षेत्र में भी आजमाना शुरू कर दिया। राजकरन सिंह ने अर्श से फर्श तक का सफर यूं ही नहीं तय किया बल्कि उसके लिए अपने आप को परिश्रम की भट्ठी में तपाया है।

मुन्ना सिंह बताते हैं कि उनका जन्म तिलोई, अमेठी के ग्राम छीछा में एक साधारण कृषक परिवार में हुआ। चार भाइयो में सबसे बड़ा था। गाँव से इंटर की पढाई पूरी करने के बाद लखनऊ आ गया और यहां से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। शुरूआत का दिन बहुत ही संघर्षो के साथ बीता। 27 मई 2005 में गौरीगंज, अमेठी निवासी नीतू सिंह ने विवाह हो गया। जिम्मेदारी बड़ी तो अलीगंज के नवीन गल्ला मंडी में फल व्यवसायी के यहां 1500 में नौकरी करने लगा। जुलाई 2012 में वेतन पांच हजार रुपये हो गया। इस बीच बेटी भी हो गई। जिम्मेदारी बड़ रही थी। तय नहीं था कि भविष्य में क्या करूंगा? लेकिन इतना जरूर यकीन था कि कुछ न कुछ तो बड़ा काम करना ही है जिससे समाज में एक नया संदेश जाए, जिसका आने वाली पीढ़ी भी अनुसरण करें।

राजकरन बताते हैं कि अगस्त 2012 में मंडी में केले के व्यवसाय का खुद काम शुरू किया। शुरुआत में कुछ समस्या आई और कुछ प्रतिद्वंदी व्यपारियो ने खड़ी करने की कोशिश की। लेकिन खुद पर विश्वास और अपनों के साथ से हिम्मत नहीं हारी। तीन बच्चों के देखरेख के साथ पत्नी नीतू ने मेरा खूब हौसला बढ़ाया। इसी का नतीजा यह रहा कि कुछ समय मे उन्होंने मंडी में अपनी पहचान बनाई बल्कि बड़े व्यापारी के रूप में उभरे। प्रधानमंत्री की योजना राष्ट्रीय कृषि बाजार के अंतर्गत ई - नेम में मंडी में सबसे ज्यादा केला बेचने के लिए मंडी परिषद व मंडी समिति द्वारा उन्हें 11 बार प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है।

सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर लेते है हिस्सा

मुन्ना सिंह सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी लेते हैं। गरीब, असहायों, अनाथालय और वृद्धाश्रम में समय-समय पर पहुंचकर भरपूर सहयोग करते हैं। कोरोना के दौरान जब पूरे शहर के साथ पूरे देश में लॉक डाउन लगने से गरीब, झोपड़ पट्टी में रहने वाले, मजदूर आदि के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया तब मुन्ना सिंह आगे आये। उनके द्वारा लगातार दो माह तक जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुँचाया गया। जिला प्रशासन द्वारा वितरित किये जा रहे भोजन सामग्री में भी उन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया। इतना ही नहीं, लॉक डाउन कर दौरान चौराहों पर ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मियों को चाय, बिस्कुट व समोसे व भोजन के पैकेट वितरित किया।

200 कंबल से शुरू सफर वितरण आज एक हजार तक पहुंचा

राजकरन जी समाज सेवा के क्षेत्र में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। बताते हैं कि भीषण ठंड में गरीबों को ठिठुरता देख तकलीफ होती थी। इसलिए गांव में वर्ष 2005 से लोगों के सहयोग से कंबल वितरण का कार्य किया। उस दौरान 200 लोगों को कंबल वितरित किया गया। फिर यह सिलसिला शुरू हो गया। तब से हर साल मकर संक्रांति पर गांव छीछा में तहरी भोज के साथ कंबल वितरण का आयोजन करता आ रहा है। वर्ष 2021 में एक हजार जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया।

प्रदेश को टीबी मुक्त करने में भी कर रहे सहयोग

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 तक प्रदेश को टी0बी0 रोग मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। राजधानी लखनऊ में 1660 बच्चे क्षय रोग ग्रस्त चिन्हित किए गये हैं। उनमें से राजकरन द्वारा 41टी0बी0 ग्रस्त बच्चो को गोद लिया गया है। जिसमें उनकी दवाइयों के साथ साथ उनसे बराबर संवाद करना और प्रोत्साहित करना शामिल है।

सेवा कार्यो पर राज्यपाल ने किया सम्मानित

कोविड-19 काल में लॉक डाउन के दौरान सैक?ो जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सिंह फरूट कम्पनी के प्रबंधक राजकरण सिंह को राजभवन में सम्मानित किया। जिला प्रशासन ने उनके कार्यो पर प्रशस्ति पत्र दिया है।

इकोफ्रेंडली भंडारे में भक्तों ने चखा प्रसाद

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। इंदिरानगर के जरहरा स्थित इंडियन लशियस के प्रोपराइटर व युवा समाजसेवी हेमबाबू निगम द्वारा मंगलवार को इकोफ्रेंडली भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में सैकड़ों लोगों प्रसाद ग्रहण किया।

बजरंगबली के पूजन के साथ भंडारा शुरू हुआ। सबसे पहले कन्याओं को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे के खास बात यह रही कि यहां स्वच्छ्ता का पूरा ख्याल रखा गया। भंडारे में पूड़ी, सब्जी, कढ़ी, चावल, पापड़, चटनी व मिठाई आदि व्यंजनों का लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर भाजपा नगर उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, पार्षद राम कुमार वर्मा, इंस्पेक्टर इंदिरानगर अजय प्रकाश त्रिपाठी, सिंह फरूट्स एंड कम्पनी के निदेशक राजकरन सिंह मुन्ना, सर्वजन कल्याण एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार उपाध्याय, हेमंत भसीन प्रदेश प्रवक्ता हेमन्त भसीन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, संगठन मंत्री संजय कुमार, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यासिर अजहर सिद्दीकी, महानगर अध्यक्ष अमित रस्तोगी, प्रदीप जयसवाल, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी, महानगर अध्यक्ष मोहित सोनी, इंजीनियर डीबी सिंह चौहान, पारस निगम, अजय सिंह, कीर्ति ओझा, पंकज, मुकेश, सुमित, अचल निगम, अंकित, सिद्धार्थ, शान्तु, संस्कार निगम आदि मौजूद रहे।

श्री राजराजेश्वरी श्री मन महा त्रिपुर सुन्दरी महायज्ञ 27 तक

गुरुवार सुबह 9 बजे निकलेगी कलश यात्रा

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। अखिल भारतीय उदासीन सम्प्रदाय संगत एवं विश्व सनातन धर्म सभा द्वारा राजधानी में पहली बार हो रहे राष्ट्र रक्षा हेतु श्री राजराजेश्वरी श्री मन महा त्रिपुर सुन्दरी महायज्ञ का आयोजन 21 जनवरी से 27 जनवरी तक बाबा का पुरवा रुपपुर खदरा स्थित श्री उदासीन महामण्डला आश्रम नानकशाही मठ में किया जायेगा।

बनारस से आए 51 आचार्य

यज्ञ से पूर्व मठ में बुधवार को विशेष धर्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए। बनारस से आये 51 आचार्यो द्वारा शिव रुद्राभिषेक किया गया। रुद्राभिषेक के दौरान नानकशाही मठ वेद मंत्रों से गूंज उठा। वेद मंत्रों के माध्यम से परिसर को आध्यात्मिक नगरी के रूप में पावन स्थल के रूप में तैयार किया गया। इस शोधन अनुष्ठान के बाद संतों ने भोग प्रसाद प्राप्त किया। मुख्य संयोजक श्रीमहंत धर्मेन्द्र दास जी महाराज ने बताया कि दिन में जहां यज्ञ पूजन किये जाएंगे वहीं संध्या काल में सरस भजनों का कार्यक्रम होगा।

श्रीमहंत धर्मेन्द्र दासजी महाराज ने बताया कि गुरुवार 21 जनवरी को सुबह 9 बजे श्री राजराजेश्वरी श्री मन महा त्रिपुर सुन्दरी महायज्ञ अनुष्ठान विधिवत शुरू होगा। इसके पहले सत्र में कलश यात्रा निकाली जाएगी। उसमें 251 महिलाएं सर पर कलश धारण करके शामिल होंगी। हाथी घोडा, बग्गी, बैंड बाजे के साथ शाही सवारी कलश यात्रा नानकशाही मठ से शुरू होकर सीतापुर रोड, नया गोमती पुल होते हुए कुडिया घाट पर समाप्त होगी। वहां से आदिगंगा मां गोमती का आशीष स्वरूपा जल लेकर यात्रा पुनः मठ मंडप में प्रवेश करेगी।

निमंत्रण पत्र हुआ जारी

श्रीमहंत धर्मेन्द्र दासजी महाराज ने श्री राजराजेश्वरी श्री मन महात्रिपुर सुन्दरी महायज्ञ का निमत्रणपत्र जारी किया। इस मौके पर कुठारी बाबा, उत्तराधिकारी राज्य गोपाल, भूपेन्द्र पाण्डेय, श्याम बहादुर शर्मा मौजूद रहे।

7 मंजिला, 51 फिट ऊंचा विशाल यज्ञ मंडप तैयार

राष्ट्र हित के लिए शहर में पहली बार राज राजेश्वरी त्रिपूर सुंदरी यज्ञ खदरा के चार सौ साल पुराने आश्रम में होने जा रहा है। इस महा यज्ञ के लिए 51 फिट ऊंचा सात मंजिला विशाल यज्ञ मंडप बांस और पतावर से तैयार किया गया है। इसके लिए बिहार के दर्जन से अधिक कुशल कारीगरों ने तैयार किया है।

जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता नहीं हासिल कर लेते, कानून आपको जो भी स्वतंत्रता देता है, वो आपके किसी काम की नहीं।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर

जिम्मेदारों की मिलीभगत से धरासायी की जा रही हरियाली

क्राइम रिव्यू

माल। क्षेत्र मेंजिम्मेदारों की मिलीभगत के चलते हरे पेड़ों का अवैध कटान थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस व वन विभाग की सांठ गांठ से क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में हरे-भरे प्रतिबंधित पेड़ों पर ठेकेदारों द्वारा धरासायी किया जा रहा है। जो जानकर भी अनजान की भूमिका में देखे जा सकते है।

सुप्रीमकोर्ट के निर्देश और पर्यावरण को ठेंगा दिखाकर सूबे की राजधानी के माल थाना क्षेत्र में धड़ल्ले से हरियाली को धरासायी किया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि पुलिस और वन विभाग इससे अनजान है । जब भी कोई संवाददाता या कोई एलेक्ट्रॉनिक मीडिया की नजर इस अवैध कटान पर प?ती है और पुलिस या वन विभाग के स्थानीय कार्यालय से पड़ताल करता है तो जवाब होता है कि मुझे कोई जानकारी नहीं है देखो अभी देखते हैं। जब मौके पर पहुंचते हैं तो एक से तीन पेंड़ अवैध कटान दिखाकर जुर्माने की रसीद काट कर इतिश्री कर ली जाती है। इसी का नतीजा है कि फलपट्टी क्षेत्र में वर्तमान में लगभग पच्चीस प्रतिशत बगीचों का सफाया कर अट्टालिकाएं खड़ी हो चुकी हैं।किसी जिम्मेदार ने यह जानने की कोशिश नहीं कि की पेड़ों को किसके आदेश से काट जा रहा है। आज की तारीख में किसी रोड से गुजरते समय रोड किनारे लगे धर्म काँटों पर लाखों की वेश कीमती प्रतिबंधित नीम, शीशम, सागौन और महुआ की लकड़ी कहां से लाई गई किसने कटवाई है।

आश्चर्य की बात है कि मंगलवार को डीएफओ लखनऊ माल क्षेत्र में हो रहे अवैध कटान को परखने पहुंचे थे तो ठेकेदार के लेबर ने नाम न लिखने की शर्त पर बताया कि कटान दो जगहों पर होना था तो मलिहाबाद के वन विभाग के साहब ने फोन कर बताया कि लखनऊ से बड़ा साहब आ रहा है। जिससे कटान बन्द हो गया। ऐसे होता है हरियल का सफाया। क्षेत्र के सालेह नगर गांव निवासी आशीष सिंह की बाग में दर्जनभर पेड़ कलमी आम के लकड़ी ठेकेदार द्वारा रातो रात कटवा लिये गये। वही उतरेटा गांव निवासी मुन्ना के सात पेड़ लकड़ी ठेकेदार कटवा ले गये। इतना ही नहीं शाह मऊ गहदौ रोड व जेहटा रोड के किनारे सैकड़ों की संख्या में हरे भरे प्रतिबंधित आम, नीम, सागवान,शीशम के पेड़ों को बिना परमिट के लकड़ी माफियाओं द्वारा खुलेआम कटवा कर हरियाली और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। साथ ही इन कर्मियों द्वारा अवैध कटान के बाद ठूठों को तुरंत उखड़वा देना और बाग को ट्रैक्टर से जुताई करवाकर पानी भरवा देना इस तरह के ठेकेदार को आदेश जारी कर जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

पिता के लिये खाना लेकर खेत जा रही किशोरी से युवक ने की छेड़छाड़

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में खेत में काम कर रहे पिता के लिये खाना लेकर जा रही किशोरी को अकेला देखकर गांव के युवक ने छेड़छाड़ करने के साथ बदनियती से कपड़े फाड़ दिये,किशोरी की चीख-पुकार सुनकर आस-पास मौजूद लोग दौड़े तो आरोपी मौके से भाग निकला। जिसके बाद मौके पर पहुंचे पिता को किशोरी ने आपबीती बताई, तब जाकर पीड़ित पिता ने बेटी संग मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत की। पुलिस छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओ में आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर तलाश में जुट गयी है।

मोहनलालगंज के एक गांव निवासी किसान ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये बताया वो अपने खेतो में काम करने गये थे,दोपहर एक बजे के करीब 13वर्षीय नाबालिक बेटी घर से खाना लेकर खेत आ रही थी,तभी उसे अकेला देखकर गांव का रहने वाला लाल बहादुर यादव बेटी का हाथ पकड़कर खिचने के साथ छेड़छाड़ करने लगा ओर बदनियती से उसके कपड़े भी फाड़ दिये,बेटी की चीख-पुकार सुनकर वो मौके पर पहुंचे तो आरोपी लाल बहादुर भाग निकला।इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया पिता की तहरीर पर आरोपी के विरूद्ध छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

हर्षोलास के साथ मना आनागत साहित्य आंदोलन के प्रणेता का जन्म दिवस

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। अखिल भारतीय अनागत साहित्य संस्थान, योगी नगर, लखनऊ कार्यालय में अनागत साहित्य आन्दोलन के प्रणेता का डॉ अजय प्रसून का 68वां जन्मदिन अनागत दिवस के रूप में हर्षोलास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर हास्य कवि आशुतोष आशु व विपिन मलिहाबादी को अनागत मार्तण्ड सम्मान से सम्मानित किया गया । डॉ अजय प्रसून के 68वें जन्म दिवस के अवसर पर पण्डित बेअदब लखनवी व पण्डित विजय लक्ष्मी मिश्रा ने उन्हें अंगवस्त्र व पुष्प माल पहनाकर उपहार प्रदान कर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी । तमांचा लखनवी, रेनु द्विवेदी व डॉ हरि फैजाबादी आदि ने

भी बुके व उपहार प्रदान कर बधाई दी।

इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन का शुभारंभ छंदकार शरद पाण्डेय शशांक की वाणी वन्दना व कुशल संचालन कवयित्री रेनू द्विवेदी से हुआ । कवि सम्मेलन की अध्यक्षता सरस्वती प्रसाद रावत, सिद्धेश्वर शुक्ल क्रांति व कमल किशोर भावुक मुख्य अतिथि , डॉ हरि फैजाबादी व पण्डित बेअदब लखनवी विशिष्ट अतिथि रहे।

कवयित्री पण्डित विजय लक्ष्मी मिश्रा, संध्या त्रिपाठी, स्वाति मिश्रा, मनमोहन बाराकोटि तमांचा लखनवी , आवारा नवीन, गोबर गणेश, सुरेश राजवंशी प्रशांत त्रिपाठी, कृष्ण कुमार मिश्र आदि समस्त उपस्थित साहित्यकारों ने अपनी श्रेष्ठतम रचनाओं के काव्य पाठ से कवि सम्मेलन को सफल बनाया।

लविवि ला रहा आपके लिये नैनो सेंसर, अब बिना डर के बनाये रसोई गैस पर खाना

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। घरों या होटलों में एलपीजी गैस लीकेज का पता लगाना आसान हो जाएगा। गैस लीक होने पर नैनो सेंसर अलर्ट कर देगा। जिससे दुघर्टना होने से बचेगी। जी हां, लखनऊ विश्वविद्यालय का भौतिक विज्ञान विभाग जल्द ही नैनो सेंसर बनाने के प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेगा। अभी तक बजट मिलने में देरी और फिर कोरोना की वजह से प्रक्रिया रुक गई थी। अब शासन ने पैसा जारी कर दिया है।

दरअसल, हर साल उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत शोध से जुड़े कार्यों के लिए प्रोजेक्ट दिए जाते हैं। वर्ष 2019 में भी लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान सहित कई विभागों को प्रोजेक्ट मिले थे। इनमें भौतिक विज्ञान विभाग को 'डेवलपमेंट ऑफ नैनो मैटीरियल फॉर रूम टैंप्रेचर गैस सेंसि?ग' का प्रोजेक्ट भी शामिल था। विभाग की हेड प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि प्रोजेक्ट के लिए करीब 18 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हुआ था।

लेकिन, धनराशि देर से जारी होने और फिर लॉकडाउन के चलते काम शुरू नहीं हो पाया। अब बजट आ गया है। जल्द ही प्रोजेक्ट पर विभाग काम शुरू कर देगा।

जरा सी महक हुई तो बता देगा सेंसर

प्रो. पूनम टंडन के मुताबिक गैस लीकेज और उसकी सेंसिग न होने की वजह से बहुत सी घटनाएं होती हैं। घरों में जब तक महक न आए, हम लोग गैस लीक नहीं मानते हैं। कभी-कभी महक आने में देर हो जाती है और गैस लगातार लीक होती रहती है। इसलिए ऐसा नैनो सेंसर तैयार करेंगे जो कमरे के तापमान में सेंस कर सके। यानी जरा सी गैस लीकेज की क्वांटिटी को भी सेंस करने की क्षमता हो। इसके लिए नैनो मैटीरियल को इस्तेमाल करके तैयार करके गैस सेंसर डेवलप करेंगे। फिर एलपीजी गैस सेंड्क्षसग पर इसकी टेड्क्षस्टग होगी। एक साल में यह प्रोजेक्ट तैयार करना है।

राजाजीपुरम जन कल्याण मंच का शपथ ग्रहण समारोह

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। राजाजीपुरम जन कल्याण मंच के युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों का शनिवार को मनोनयन एवं शपथ ग्रहण समारोह हुआ। कालोनी के डी ब्लॉक स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में कोरोना योद्धाओं को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कानून मंत्री बृजेश पाठक ने संगठन के संरक्षक सतीश कुमार पान्डेय, प्रवक्ता सुशील कुमार सहित राजाजीपुरम जन कल्याण मंच के संरक्षकगण पार्षद अजय दीक्षित, राजीव कृष्ण त्रिपाठी, संयोजक सन्दीप सिंह धीरू व अध्यक्ष श्याम सुन्दर उप्पल, अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) सुनीता पान्डेय, अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) दिव्यांश गोयल एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा जियाराम वर्मा, उपाध्यक्ष अनुजमनी त्रिपाठी, मंत्री वीरेंद्र अस्थाना, दीपक सहगल को शपथ दिलाई। समारोह में महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ) मीनाक्षी खनेजा, उपाध्यक्ष रजनी मिश्रा, कोषाध्यक्ष वैशाली सक्सेना को भी उनके पद की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बबीता शर्मा, आरती शुक्ला, बीना सोमवानी, मीता सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

यह सप्ताह आपके लिए कैसा रहेगा। आपके जीवन मे क्या क्या परिवर्तन हो सकता है। आपके सितारे क्या कहते हैं। यह बता रहे हैं **एस्ट्रोलॉजर विवेक सिंह–**

मेष

चीजों के अत्यधिक विश्लेषण से बचें व नकारात्मक विचारों से अपनी सोच को प्रभावित न होने दें। दूसरों से तुलना करने के बजाय किसी कार्य को करने का जो सर्वश्रेष्ठ तरीका आपको ज्ञात है, उसका अनुसरण करें। व्यापार व कार्य सामान्य गति से होंगे। अपने आकर्षक व्यक्तित्व से लोगों को प्रभावित करेंगे। बातें बनाने वाले व नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से बचें। दोस्ती के बीच गलतफहमी न आने दें। योग व ध्यान करें।

शुभ अंक 5
शुभ रंग बैम्बू ग्रीन

वृष

व्यावसायिक लक्ष्य हासिल करने के लिए आपके भीतर अपार ऊर्जा व उत्साह है। निजी संबंधों में प्रेम, समझदारी व सहयोग रहेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। निजी व व्यावसायिक जीवन में चुनौतियों को स्वीकार करते हुए शोहरत व जीत की ओर कदम ब?ाएंगे। धैर्यपूर्वक चीजों के स्वत~घटित होने का इंतजार करने पर कुछ अच्छा प्राप्त होगा। जीवन में उतार-चढ़ाव से व्यथित न हों।

शुभ अंक 6
शुभ रंग गोल्डन यलो

मिथुन

व्यावसायिक जीवन में सफलता व ऊंचाई मिलेगी। घर व कार्यस्थल पर उपजी उथल-पुथल को दूर कर व्यवस्था कायम करेंगे। सकारात्मक बदलावों का सूत्रपात होगा व भौतिक लाभ की स्थिति बनेगी। चीजों पर जब पकड़ ढीली करेंगे तो मुक्ति का बोध होगा। सप्ताहांत में किसी खास शख्स के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। पूर्वाग्रह से प्रेरित स्वजन से दूरी बनाएं। अंतस में झांकने का यत्न करें। योग, व्यायाम व शाकाहार अपनाएं।

शुभ अंक 4
शुभ रंग सैफ्रन

कर्क

घर व कार्यस्थल पर उहापोह की स्थिति को शांत करते हुए भविष्य का मार्ग तय करेंगे। विरोधाभासी मतों का समर्थन करने से बचें। कार्यक्षेत्र में चतुरता से कठिन कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम देंगे। परिवार में संवेदनशील मामलों पर किसी एक पक्ष का दृ?ता से साथ देंगे। परिवार व दोस्तों संग जश्न का मौका बनेगा। संतान सफलता के मार्ग पर अपनी स्वतंत्र यात्रा के लिए तैयार है। निजी संबंधों में प्रेम का बीज अंकुरित होगा।

शुभ अंक 9
शुभ रंग टरक्वायज

सिंह

भावनात्मक संतुष्टि व भौतिक लाभ की स्थितियां सुकून प्रदान करेंगी। जीवन का आनंद लेंगे, लेकिन किसी भी प्रकार के अतिरेक से बचना जरूरी है। व्यावसायिक जीवन में सफलता के बीच बदलावों की आहट चिंताग्रस्त करेगी। कार्यस्थल पर किसी के साथ गलत होता देखकर न्याय व मूल्यों के लिए आवाज मुखर करेंगे। करीबी दोस्त के भावुक पलों में सहभागी बनने के बजाय दूर से ही स्थिति को समझने का यत्न करेंगे।

शुभ अंक 4
शुभ रंग गोल्डन यलो

कन्या

आपकी व्यावसायिक जड़ें मजबूत हैं। वे आपको नए अवसरों को स्वीकार करने व विस्तार का मौका देंगी। यह भाव पुख्ता होगा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने में उससे जुडे प्रत्येक शख्स की भूमिका बराबर होती है। यह संवाद का समय है। प्रियजन से दिल की बात कहें। भौतिक लाभ व तरक्की हासिल करेंगे। अभिभावकों, उम्रदराज स्वजनों या दोस्तों को आपकी मदद की जरूरत होगी। ध्यान करने पर ईश्वर से जुड़ाव होगा।

शुभ अंक 10
शुभ रंग रेनबो पेस्टल्स

तुला

कार्यस्थल पर साझा लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी ऊर्जा, अनुभव व कुशलता दूसरों से बांटेंगे। किसी खास रिश्ते में प्रेम व आनंद की अनुभूति होगी। लक्ष्य हेतु सतत प्रयासों व परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने से आपकी सफलता आकार लेती है। आपमें सही अवसरों व लोगों को आकर्षित करने की क्षमता है। परिवार में किसी घमंडी व दुराग्रही महिला से सावधान रहें। निजी व व्यावसायिक जीवन में छाप छोड़ेंगे।

शुभ अंक 13
शुभ रंग स्कारलेट

वृश्चिक

अतीत की यादें आहत व भावुक करेंगी। बीते पलों की यादों से असहमति के भाव पनपेंगे। काम विलंबित होगा। करीबी दोस्तों से दूर हो सकते हैं, पर आत्मनिर्भरता महसूस करेंगे। निजी संबंधों में किए गए वादों का मान रखेंगे। व्यावसायिक कार्य पूर्ण होंगे। धन से जुड़े मामलों में भरोसा कर सकते हैं। सकारात्मक रहें, सप्ताहांत में सुखद समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य समस्याओं की अनदेखी न करें। अतिरेक से बचें।

शुभ अंक 3
शुभ रंग सिल्वर ग्रे

धनु-

परिवार, संतान व निजी संबंध आपके जीवन में आनंद लाएंगे। बिसरे संबंधियों से मुलाकात होगी। तात्कालिक परिस्थितियों से जूझने के दरम्यान वादों को पूरा करना न भूलें। आर्थिक लाभ मिलेगा व व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी। जो लोग आपसे प्रेम करते हैं, उनका आभार प्रकट करें। प्राकृतिक ताकतें आपके साथ हैं। खुशमिजाज रहते हुए एक समय पर एक कार्य करने पर सहजता से सफलता सुनिश्चित होगी।

शुभ अंक 6
शुभ रंग ऑरेंज

मकर

मानसिक द्वंद्व समाप्त होगा। समझौता करने को तैयार होंगे, जिससे कार्यस्थल पर शांति व घर पर सौहार्द कायम होगा। मतभेदों का तार्किकता से हल निकालें। स्वतंत्र दृष्टिकोण के साथ आंतरिक व बाह्य परिवर्तन की यात्रा आरंभ होगी। दिल व दिमाग में संतुलन रखते हुए परिवारिक संबंधों में निकटता व व्यावसायिक साझेदारी में सहयोग प्राप्त करेंगे। तुला राशि के शख्स की मदद करेंगे। स्वास्थ्य समस्याएं हल होंगी।

शुभ अंक 2
शुभ रंग पिंक एंड ब्लू

कुम्भ

नकारात्मक सोच में पढ़कर चीजों को विलंबित करेंगे। यह किसी भी बात को लेकर सहमति या असहमति का अपना रवैया स्पष्ट करने का समय है। कुछ वादे करने का समय आ गया है। व्यावसायिक लक्ष्यों की दिशा में आप अपेक्षित प्रयास नहीं कर रहे हैं। अपने फैसलों पर दृढ़ रहते हुए कार्य करें। दिखावे पर जाने के बजाय गहराई में जाकर सच्चाई को टटोलें। अतीत को भुलाकर नई शुरुआतें करेंगे।

शुभ अंक 7
शुभ रंग व्हाइट

मीन

निजी व व्यावसायिक मामलों में अंतर्मन के अनुरूप कार्य करेंगे। खुशमिजाज रहते हुए दूसरों के लिए सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। व्यस्त सामाजिक जीवन के बावजूद आप भी? से अप्रभावित रहना जानते हैं। कन्या राशि के शख्स से मूल्यवान सलाह मिलेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें व खेल संबंधी गतिविधियों से खुद को तरोताजा करें। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करें। ध्यान से मन शांत होगा।

शुभ अंक 9
शुभ रंग वाइन रेड

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त निष्ठावान होना पड़ेगा।
– अब्दुल कलाम आजाद

उत्तरायणी कौथिग-2021

गोमती किनारे बह रही पर्वतीय संस्कृति की छटा

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पर्वतीय महापरिषद,लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय (14 से 23 जनवरी) उत्तरायणी कौथिंग-2021 के सप्तम दिवस में अपराह्न उत्तर प्रदेश सरकार में महिला बाल विकास मंत्री मुख्य अतिथि स्वाती सिह रही जिनका स्वागत महापरिषद के महिमा प्रकोष्ट की प्रभारी सुमन सिह रावत अजंनी बोनाल,अध्यक्ष गंगा भटट व महासचिव सुमन मनराल, ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत एवं महापरिषद के अध्यक्ष गणेष चन्द्र जोशी, महासचिव महेन्द्र सिह रावत ने प्रतीम चिन्ह भेट कर किया ।

सांयकालीन सत्र में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री डा0 महेन्द्र सिह जिनका स्वागत महापरिषद के मुख्य संयोजक टी एस मनराल, पूर्व पाषद नरेन्द्र सिह देव?ी, संयोजक के एन चन्दोला ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत एवं महापरिषद के अध्यक्ष गणेष चन्द्र जोशी, महासचिव महेन्द्र सिह रावत ने प्रतीम चिन्ह भेट कर किया

दिन के कार्यक्रम

लखनऊ में पर्वतीय समाज के विभिन्न क्षेत्रो की महिलाओं द्वारा अपने पारम्परिक वेश भूषा में गोल घेरा बनाकर झोडा नृत्य प्रस्तुत किया, इन क्षेत्रो का प्रतिनिधित्व रहा उनमें जनकल्याण समिति विकास नगर ,कल्याणपुर ,भरत नगर, प्रीति नगर, पंतनगर, गोमती नगर खडगापुर व इन्दिरा नगर की महिला टीमें रही प्रतियोगिता का संचालन महेन्द्र पंत व गोविन्द बोरा के द्वारा किया गया।

कौथिग स्थल पर,प्रतिदिन निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जा है। जिसमें बाल रोग व स्त्री रोग विशेषज्ञ डा0 निर्मला जोशी और डा0 निरूपमा मिश्रा ने अपनी निशुल्क सेवायें प्रदान की इस अवसर पर कई लोगो जांच कर निःशुल्क दवाईयां प्राप्त किया यह जानकारी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रभारी डा0 बीएस नेगी ने दी।

कौथिग में लगे स्टालों पर काफी भीड देखने को मिल रही है जिससे स्टाल्स वालो की काफी भी बिक्री भी हो रही है , सबसे ज्यादा उत्तराखण्डी खाद्यय पदार्थो की बिक्री हो रही पहाडी दालें जो अपने में लाभप्रद होती है गौहत की, तोर, सोयाबीन,काला भटट, जख्या, मडुवे का आटा जो कि शुगर में काफी फैदामंद है नीबू, पहाडी मूली,माल्टा, गडेरी, अन्य जडी बूटिया भी उपल्बध है। वही दूसरी ओर लोग राजस्थानी,उत्तराखण्डी व

सांस्कृतिक कार्यक्रमः उत्तराखण्ड संस्कृति विभाग से रमेश उपाध्याय के सहयोग से लायी गयी मां नैना सांस्कृतिक एवं जनकल्याण सेंवा समिति की घमाकेदार प्रस्तुतियां जिसके टीम लीडर पुष्कर मेहर ,वन्दना- कै धुरि फुलैलो मासी का फूल.., झोडा छपेली - हिमूली हियू पढ..,फोक गीत- लायदे हीरा सुसम..,गायक कलाकार सीमा विश्वकर्मा यो डाना का पार..,

लोक गायक चन्द्रप्रकाश की एकल प्रस्तुतियां, स्थानीय कलाकरो की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यालय व्यवस्था में एन के उपाध्याय, जी,डी.भटट, गणेश जोशी एडवोकेट,गोविन्द पाठक,सुन्दर पाल सिह बिष्ट, शंकर पाण्डेय, के.एस.रावत, एम एस मेहता, प्रदीप चन्द, नरेन्द्र फर्तियाल,सूरज सिह, के.एन पाठक, कैलास जोशी, माया भटट,नीलम जोशी,सहित कई युवा महिला पदाधिकारीगण है।

पर्वतीय महापरिषद के सचिव/मीडिया प्रभारी हेमंन्त सिह ने बताया कि स्थल पर कार्यालय व मंच के आस-पास सांनिटासिंग मशीने लगी है और जिला प्रशासन द्वारा दिये गये कोविड-19 के दिषा निर्देषो का पालन किया जा रहा है। वही पूरा कार्यक्रम स्थल होम गार्डस के जवानों व सी.सी.टीवी कैमरों के निगरानी में है।

स्व0 गोविंद सिंह नयाल ,समाज सेवा सम्मान 2021 श्री पीताम्बर भट्ट को दिया गया
गौरा देवी महिला सम्मान 2021 श्रीमती अंजली बोनाल जी को दिया गया।

Email:prabhadiagnostic@gmail.com

प्रभा डायग्नोस्टिक्स
Prabha Diagnostic
9473560368
8840181467
सौर्य विहार, सैदपुर, 60 फीट रोड, जानकीपुर विस्तार, लखनऊ

Dr. S. Kumar
Director
MBBS, MD(Radiodiagnosis, KGMU)
Ex- Senior Resident, King George's Medical University, Lucknow

Dr. Namrata Mishra
MBBS, MD(Pathologist)

Facility (Please tick)

Radiology

Ultrasound
Abdomen, Colour Doppler (Upper & Lower Limb) Carotid Doppler, MSK, Scrotum, TIFFA & other obstetrical, TVS, Fetal echo

Digital X-Ray & O.P.G.
X-Ray Chest, Spine, (Cervical, LS, DL) Pelvis, Digital O.P.G etc

Pathology
Hematology, Biochemistry, Histopathology, Cytology, Cultures, Serology, PPD, Allergy Testing & more than 3000 test available in our centre

Microbiology
Complete Microbiology Tests

Cardiology
E.C.G, EEG, 2D Echo, TMT

Gastroenterology
Upper GI Endoscopy, Colonoscopy & Biopsy

प्रभा डायग्नोस्टिक की ओर से आप सभी को गणतंत्र दिवस हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Bedside X-Ray Bedside Sample collection facilitty available

Please intimate us for any typing mistake & report for correction within 3 days
Emergency USG available at additional cost.

भ्रुण के लिंग की जांच करना एवं जानकारी देना कानूनी अपराध है

Helpline No.: 9473560368, 8840181467

सम्पादक–हेमन्त कुमार मिश्रा
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगा: संपादक। e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222